mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-189 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
09 जुलाई 2024 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

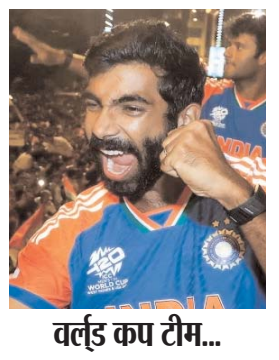

वर्ल्ड कप टीम...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

रूस पहुंचे पीएम मोदी का भव्य स्वागत

दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर, उप प्रधानमंत्री ने किया रिसीव

मास्को (एजेंसी)। रूस पहुंचते ही पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मॉस्को में उतरा। हमारे देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की उम्मीद है, खासकर सहयोग के भविष्य के क्षेत्रों

में। हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों से हमारे लोगों को बहुत लाभ होगा।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के मॉस्को पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जून में लोकसभा चुनाव के बाद शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहली आधिकारिक रूस यात्रा है। 2019 में देश की अपनी पिछली यात्रा के दौरान, मोदी ने रूसी शहर व्लादिवोस्तोक में पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ) में भाग लिया था।

कठुआ में सैन्य काफिले पर आतंकी हमला

दो जवान घायल, मुठभेड़ जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले से 150 किलोमीटर दूर लोहाई मल्हार के बदनोटा गांव में सेना के वाहन पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया। इस हमले में सेना के दो जवान घायल हो गए। वहीं आतंकियों

के तलाश के लिए सेना ने इलाके की घेराबंदी शुरू कर दी है और आतंकियों व सेना के बीच गोलीबारी शुरू हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि घटना कठुआ शहर से 150 किलोमीटर दूर लोहाई मल्हार के बदनोटा गांव में हुई, जब सेना के कुछ वाहन इलाके में नियमित गश्त पर थे। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और अंतिम रिपोर्ट मिलने तक गोलीबारी जारी थी। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में अतिरिक्त बल भेजा गया है।

तीन नए कानून पर तमिलनाडु में बवाल

सीएम ने बनाई समिति; विरोध में उतरे हजारों वकील

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक जुलाई से देशभर में लागू तीन नए कानूनों के खिलाफ तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन के बाद अब राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एम सत्यनारायण समिति के अध्यक्ष होंगे। यह समिति इन कानूनों में राज्य स्तर पर किए जाने वाले संशोधनों का अध्ययन करेगी और प्रदेश सरकार को अपनी सिफारिश भेजेगी। समिति अधिवक्ता संघों और अन्य हितधारकों से बातचीत करने के बाद एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

पुरी की रथयात्रा का दूसरा दिन,भारी भीड़

भगवान बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे

रात में रथों पर ही रहे भगवान; आज मंदिर में प्रवेश करेंगे

पुरी (ओडिशा) (एजेंसी)। 53 साल बाद पुरी की रथयात्रा दो दिनों की रही। सोमवार को यात्रा का दूसरा दिन था। भगवान बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ गुंडिचा मंदिर पहुंच चुके हैं। अब रथों पर ही भगवान की पूजा आरती होगी। इसके बाद राजभोग लगेगा। 9 जुलाई को भगवान मंदिर में प्रवेश करेंगे। अगले 7 दिनों तक तीनों रथ यहीं रहेंगे। 11 जुलाई को हेरापंचमी मनेगी। मान्यता है कि इस दिन लक्ष्मी जी भगवान से मिलने आती हैं। 15 जुलाई, सोमवार को तीनों भगवान अपने रथों में बैठकर मंदिर को लौटेंगे। भगवान के मंदिर लौटने वाली यात्रा को बहुड़ा यात्रा कहा जाता है। कल (7 जुलाई) यात्रा का पहला दिन था। शाम 5 बजे के बाद शुरू हुई रथयात्रा सूर्यास्त के ही साथ रोक दी गई थी, भगवान जगन्नाथ का रथ सिर्फ 5 मीटर ही आगे बढ़ा था।

इस साल रथ यात्रा दो दिन क्यों?

जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद के मुताबिक, हर साल जगन्नाथ रथयात्रा एक दिन की होती है, लेकिन इस बार दो दिन की है। इससे पहले 1971 में यह यात्रा दो दिन की थी। तिथियां घटने की वजह से ऐसा हुआ। दरअसल, हर साल ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ को स्नान करवाया जाता है। इसके बाद वे बीमार हो जाते हैं और आषाढ़ कृष्ण पक्ष के 15 दिनों तक बीमार रहते हैं, इस दौरान वे दर्शन नहीं देते। 16वें दिन भगवान का श्रृंगार किया जाता है और नवयौवन के दर्शन होते हैं। इसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से रथयात्रा शुरू होती है।

रथयात्रा में 2 की मौत, 130 से ज्यादा घायल

रथयात्रा में दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई है। भगदड़ की वजह से करीब 130 लोग घायल हुए हैं। उनकी मौत पर दुख व्यक्त करते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मृतक के परिजन के लिए 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

नीट पेपर लीक वाले सेंटर्स की जानकारी दें

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

● जिन स्टूडेंट्स को फायदा हुआ, उनके बारे में भी 10 जुलाई तक बताएं; 11 को अगली सुनवाई ● सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'ये साफ है कि पेपर लीक हुआ है'

नईदिल्ली (एजेंसी)। मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट - 2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार, 8 जुलाई को लगभग 2 घंटे 20 मिनट तक सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एनटीए,सीबीआई केन्द्र सरकार और याचिकाकर्ताओं को अलग-अलग निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई अब 11 जुलाई को होनी है।

जस्टिस जे बी पारदीवाला | चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ | जस्टिस मनोज मिश्रा

38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रहा है सुप्रीम कोर्ट

अदालत 38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रही थी। इनमें से 34 याचिकाएं स्टूडेंट्स, टीचर्स और कोचिंग इंस्टीट्यूट्स ने, जबकि 4 याचिकाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने लगाई थी।

5 मई को हुई थी नीट , 24 लाख छात्र बैठे थे- इस साल 5 मई को नीट परीक्षा हुई थी। 571 शहरों के 4,750 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। लेकिन यह परीक्षा एग्जाम के पहले ही विवादों में आ गई थी।
पेपर लीक और 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क देने के बाद कई छात्रों ने धांधली और गड़बड़ी का आरोप लगाया था। इसे लेकर कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने संसद में यह मुद्दा उठाया।

रीएग्जाम के लिए गुरुवार तक दर्ज हो सब्मिशन- सीजेआई ने कहा, रीएग्जाम की मांग कर रहे सभी याचिकाकर्ताओं के वकील गुरूवार तक एक कॉमन सेट कोर्ट में सब्मिट करें। ये 10 पेज से बड़ा नहीं होना चाहिए।

नेचर ऑफ लीक

- वे स्थान जहां लीक हुआ
- लीक की घटना और परीक्षा के आयोजन के बीच का समय अंतराल
- सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और एनटीए से रिपोर्ट मांगी
- सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि एजेंसी नीट यूजी पेपर लीक मामले में अब तक हुई जांच की एक रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करे।

राहुल गांधी मणिपुर हिंसा के प्रभावितों से मिले

● जिरिबाम, चुराचांदपुर के रिलीफ कैंप में लोगों से मुलाकात की, राज्यपाल से की मुलाकात

इंफाल/गुवाहाटी (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को असम और मणिपुर के दौरे पर हैं। राहुल ने दोपहर 3 बजे के करीब मणिपुर के चुराचांदपुर में मंडप तुईबोंग रिलीफ कैंप में मणिपुर हिंसा के पीड़ितों के मुलाकात की।

अब राहुल शाम 4.30 बजे मोईरांग में फुबाला कैंप में पहुंचें। शाम को गवर्नर से मुलाकात की। इससे पहले राहुल दोपहर 12 बजे जिरिबाम पहुंचे थे। यहां हायर सेकेंडरी स्कूल में बनाए गए राहत शिविर में मौजूद लोगों से मुलाकात की थी। इससे पहले सुबह 10 बजे पहले असम के सिलचर पहुंचे थे। उन्होंने फुलेरताल के थलाई इन यूथ केयर सेंटर में राहत शिविर का दौरा किया। यह इलाका हिंसा प्रभावित मणिपुर से लगा हुआ है।

नगीना से लोकसभा चुनाव हारे बीजेपी नेता ओम कुमार बोले

वोट नहीं दोगे तो काम भी नहीं करूंगा...

बिजनौर (एजेंसी)। बिजनौर की नहटौर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक ओम कुमार का रविवार को कार्यक्रम में बोलने का विवादित बात कहने का वीडियो सामने आया हैं। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कहता सुना जा रहा है कि जिसने वोट नहीं दिया अब उसका काम भी नहीं करूंगा। विधायक ने कहा कि अब सबका साथ सबका विकास नहीं चलेगा। साथ ही अफसरों को भी एक तरह से हड़काया और कहा कि जो मेरे समर्थकों का काम नहीं करेगा वह अफसर जिले में नहीं रहेगा। दरअसल ओम कुमार नगीना लोकसभा सीट से हाल में हुए चुनाव में कैंडिडेट रहे थे।

मुंबई में 6 घंटे में 300 एमएम बारिश

● केदारनाथ, बद्रीनाथ हाईवे समेत 115 से ज्यादा सड़कें बंद ● 11 राज्यों में तेज बारिश,कई जगह बाढ़ के हालात

50 लाइट्स, 5 ट्रेन कैंसिल, स्कूल-कॉलेज बंद; चारधाम में 6,000 श्रद्धालु फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में कल देर रात 1 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक छह घंटों में करीब 300 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इस कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। तेज बारिश के चलते मुंबई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी भी घटी। रात 2:22 बजे से सुबह 11 बजे तक की 50 फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ा।

इनमें से 42 फ्लाइट्स इंडिगो, 6 फ्लाइट्स एयर इंडिया और 2 फ्लाइट्स अन्य एयरलाइंस की हैं। रेलवे ने बताया कि ट्रैक पर पानी भरने के कारण मुंबई डिवीजन की 5 ट्रेन कैंसिल कर दी गई। वहीं कुछ लोकल ट्रेन भी कई घंटों की देरी से चल रही हैं। मुंबई में बीएमसी ने सरकारी और प्राइवेट स्कूल-कॉलेजों में आज के लिए छुट्टी घोषित कर दी है।

- **हिमाचल प्रदेश : 76 सड़कें बंद, सामान्य बारिश से 66 प्रतिशत ज्यादा बारिश-** हिमाचल प्रदेश में भी भारी बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 76 सड़कें बंद हो गई हैं। 69 वाटर सप्लाई स्कीम और 34 इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई स्कीम भी बाधित हुई हैं।
- **उत्तराखंड : गंगा समेत 6 नदियां खतरे के निशान पर, ऋषिकेश में श्रद्धालु फंसे-** उत्तराखंड में चार दिन से जारी बारिश के चलते गंगा, अलकनंदा, भागीरथी, सारदा, मंदाकिनी और कोसी नदी खतरे के निशान पर बह रही हैं। ऋषिकेश में गंगा नदी का स्तर 339.15 मीटर है, जो खतरे के निशान के बेहद करीब है।
- **पश्चिम बंगाल : कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात, जलपाईगुड़ी में 166 मिली बारिश-** पश्चिम

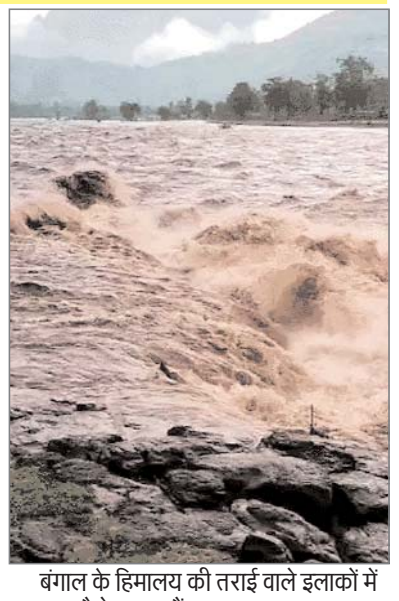

बंगाल के हिमालय की तराई वाले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं।

- **असम : 22 लाख लोग बाढ़ में फंसे, 8 लोगों की मौत हुई-** असम में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है। रविवार को बाढ़ में आठ और लोगों की जान चली गई। इससे इस साल की बाढ़, लैंडस्लाइड और तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है।
- **गोवा : सत्तारी वाटरफॉल पर फंसे 80 लोग का रेस्क्यू, स्कूलों में छुट्टी का ऐलान-** गोवा के सत्तारी तालुका में पाली झरने पर 80 लोग फंस गए थे, रेस्क्यू किया गया।

जल्द सुलझेगा बंगाल में कुलपतियों का मसला

● वीसी अप्वाइंटमेंट के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीजेआई यूयू ललित को बनाया समिति का प्रमुख

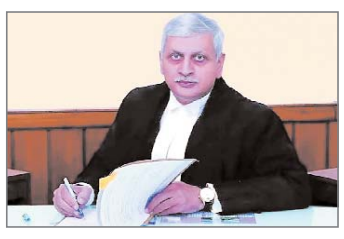

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के पूर्व चीफ जस्टिस रह चुके यू यू ललित को पश्चिम बंगाल में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। दरअसल, बंगाल की टीएमसी सरकार का राज्य के गवर्नर सी वी आनंद बोस के साथ राज्य के विश्वविद्यालयों के संचालन के तरीके को लेकर मतभेद चल रहा है। गवर्नर बोस राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं।

समिति को दो हफ्ते के भीतर गठित करने का आदेश- जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने निर्देश देते हुए समिति का गठन दो हफ्ते के भीतर करने का आदेश दिया। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि राज्य सरकार और राज्यपाल कार्यालय दोनों ही समिति के गठन पर सहमत हों।

झारखंड विधानसभा में हेमंत सोरेन ने विश्वास मत जीता

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने के बाद अब हेमंत सोरेन के 11 नए मंत्रियों को राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आग्रह पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने भी मंत्री के रूप में शपथ ली। वहीं कांग्रेस कोटे से बादल पत्रलेख की जगह नए मंत्रिमंडल में दीपिका पांडेय सिंह ने मंत्री के रूप में शपथ ली।

म.प्र. में कैबिनेट मंत्री की शपथ लेनी थी, राज्यमंत्री की ले ली

रामनिवास रावत को दो बार शपथ दिलाई गई, विधायकी से दिया इस्तीफा

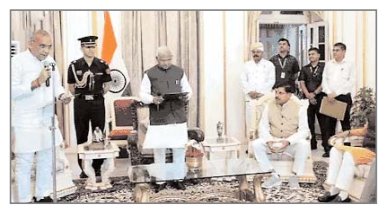

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट का सोमवार को विस्तार हुआ। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए विधायक रामनिवास रावत को राजभवन में कैबिनेट मंत्री पद की शपथ लेनी थी। उन्होंने सुबह करीब 9.03 बजे बतौर राज्यमंत्री शपथ ले ली। गलती का अहसास हुआ तो उनको करीब 9.18 बजे फिर कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलाई गई। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत कई मंत्री शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

मुरैना में 70 लाख की वसूली के लिए 23 कनेक्शन काटे, चोरी के 16 केस बनाए

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इन दिनों बकाया बिजली बिल वसूली के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुरैना में 70 लाख रुपए बकाया राशि की वसूली के लिए बिजली कंपनी की टीम ने गत दिनों बाल निकेतन रोड पर 23 घरों के कनेक्शन काट दिए और 16 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के केस बनाए। शहर में इन दिनों बिजली कंपनी का राजस्व वसूली अभियान चल रहा है। इसमें बिजली चोरी पर भी फोकस है। कलेक्टर मुरैना ने बिजली कंपनी को एक थानेदार, एक हवलदार व तीन सिपाही कोतवाली थाने से उपलब्ध कराए हैं। बिजली कंपनी की टीम ने गत दिनों गोपालपुरा बाल निकेतन रोड मुरैना पहुंचकर 23 बड़े बकायादारों के घर जाकर बिजली का बिल जमा करने के लिए कहा, लेकिन बकायादारों ने बिजली बिल जमा नहीं किये। कंपनी के सहायक प्रबंधक अशोक शर्मा ने 70 लाख रुपए की वसूली के लिए 23 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की कार्रवाई की है। टीम में शामिल अन्य अधिकारियों प्रबंधक अभिषेक चौरसिया, सहायक यंत्री इंद्रेश्वर, हेमंत बाजौरिया, पंकज सोनी, उमाशंकर मित्तल व सद्दाम हुसैन ने बिजली चोरी के 16 केस बनाए। इस कार्रवाई के दौरान बिजली कंपनी की टीम जब आगे बढ़ी तो 14 घरों के लोग ताला डालकर घर से चले गए। बिजली कंपनी का वसूली अभियान लगातार जारी है।

एक वर्षीय सेवा कालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिये आवेदन 15 जुलाई तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग में एक वर्षीय सेवा कालीन प्रशिक्षण (अग्रेंजी भाषा) प्रारंभ किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण राज्य शिक्षा केन्द्र के अंतर्गत संचालित आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान (इंग्लिश लैंगवेज टीचिंग इन्स्टीट्यूट) में दिया जाएगा। यह पाठ्यक्रम बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से संबद्ध है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों से प्रशिक्षण के लिये आवेदन आमंत्रित किये हैं। आवेदन 15 जुलाई 2024 तक जमा कराये जा सकते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को पत्र लिखकर प्रत्येक जिले से कम से कम 2 पात्र आवेदकों के आवेदन के माध्यम से भेजने के निर्देश दिये गये हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम वर्ष 2024-25 के लिये आयोजित किया जा रहा है। पाठ्यक्रम में प्रदेश के प्रत्येक जिले का प्रतिनिधित्व हो, यह सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। यह प्रशिक्षण अंग्रेजी भाषा के शिक्षकों के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों में कौशल विकास किया जाता है।

राजधानी में आरटीओ का सर्वर धीमा होने के कारण लोग हो रहे है परेशन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आरटीओ संबंधी कार्य बार-बार अटक रहे हैं। कारण एनआइसी का पोर्टल परिवहन सारथी और वाहन-चार अटक जाता है। इससे कभी ड्राइविंग लाइसेंस के आनलाइन आवेदन अटक जाते हैं तो कभी वाहनों के पंजीयन की प्रक्रिया नहीं होती है। वाहन डीलरों की ओर से पंजीयनों की फाइल आरटीओ भेज जाती हैं, लेकिन यहां पर पंजीयन कार्ड नहीं बन पाते हैं। इसी तरह फिटनेस के कार्य भी प्रभावित होते हैं। बीते तीन महीनों से निरंतर यह समस्या बनी हुई है। आरटीओ में हर दिन एक हजार से अधिक लोग परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने, वाहनों के पंजीयन, परमिट, फिटनेस, वाहनों के स्थानांतरण सहित अन्य कार्य नहीं होते हैं। जब लोग आरटीओ में सर्वर डाउन व बंद हो जाने की शिकायत करते हैं तो जवाब मिलता है कि परिवहन सारथी व वाहन-चार के एनआइसी के हैं, इसलिए एनआइसी के अधिकारी ही बता पाएंगे। सबसे अधिक समस्या सोमवार को आती है, जब शनिवार व रविवार को अवकाश होने के बाद एक साथ कई लोग आरटीओ लोग पहुंच जाते हैं। इससे आरटीओ संबंधी कार्य नहीं हो पाते हैं। हाल ही में आरटीओ में लाइसेंस व पंजीयन कार्ड के प्रिंट का काम देख रही स्मार्टचिप कंपनी ने टेंडर नवीनीकरण नहीं होने से काम बंद कर दिया था। इससे आरटीओ काम नहीं हुए थे।

22 जिलों में पुरातत्वविदों ने खोजे सैकड़ों शैलचित्र, संरक्षित करना भूल गई सरकारें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लाखों वर्ष पहले आदिमानवों द्वारा बनाए गए शैलचित्रों (राक पेटिंग्स) को प्रदेश और केंद्र सरकार संरक्षित करना भूल गई है। मप्र में कुल 22 जगहों में से भोपाल से लगी भीम बैठका और पचमढ़ी व मंदसौर के भानपुरा में शैलचित्रों को संरक्षित किया गया है। बाकी 19 जगहों के शैलचित्रों के देखरेख की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, जबकि इनका संरक्षण होने से नई और भविष्य में आने वाली पीढ़ी इन शैलचित्रों को देखकर आदि मानवों का संसार देख व समझ सकेंगे।

राज्यपाल पटेल ने नव नियुक्त मंत्री रामनिवास रावत को शपथ दिलाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सोमवार को राजभवन में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री के रूप में श्री रामनिवास रावत को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत और ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर,

कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, सांसद श्री वी.डी. शर्मा और महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय भी उपस्थित थीं। शपथ विधि समारोह का संचालन मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ल सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

खाद्य मंत्री राजपूत ने मां की पुण्यतिथि पर वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपनी माता स्व. श्रीमती ज्ञानबाई सिंह की पुण्य तिथि पर रविवार को राजधानी के आसरा वृद्धाश्रम में 85 बुजुर्गों को शाल-श्रीफल देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी वृद्धजनों का हाल-चाल जाना तथा उनकी समस्याओं को सुना। बेटे के समान स्नेह कर रहे मंत्री को अपने बीच पाकर बुजुर्गों ने भी श्री राजपूत को ढेर सारा आशीर्वाद दिया और लाड प्यार किया। इस दौरान बुजुर्गों ने आयुष्मान कार्ड बनने में दिक्कत की बात बताई। मंत्री श्री राजपूत ने अधिकारियों को

तत्काल सरलता से आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर वह उन्हें बता सकते हैं या किसी के माध्यम से संदेश भेज सकते हैं। इससे आपकी समस्या का निराकरण किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मंत्री श्री राजपूत ने अपनी माता जी स्व. श्रीमती ज्ञानबाई सिंह की पुण्य तिथि पर आसरा वृद्धाश्रम में एक पौधा भी रोपित किया। इस दौरान अधिकारी एवं अन्य जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ करने हुए अधोसंरचना निर्माण के उल्लेखनीय कार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिये अधोसंरचना निर्माण के उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं। ट्रांसमिशन व्यवस्था मजबूत करने के लिये वित्तीय वर्ष 2023-24 में 14 अति उच्चदाब उप केन्द्रों की स्थापना की गई है। साथ ही 26 अति उच्चदाब पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किये गये हैं। कुल 818.170 सर्किट किलोमीटर अति उच्चदाब लाइन का निर्माण भी किया गया है। मंत्री श्री तोमर ने बताया कि 25 अतिरिक्त अति उच्चदाब पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना एवं 40 अति उच्चदाब पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि कर अति उच्चदाब उप केन्द्रों की क्षमता में 4630 एमव्हीए की वृद्धि की गई है। वितरण क्षेत्र में अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक की अवधि में 56 नये 33 केव्ही उप केन्द्र स्थापित किये गये हैं। मार्च 2023 की स्थिति में 10 लाख 28 हजार 876 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित थे। वर्ष 2023-24 में 9 हजार

978 अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किये गये। इस प्रकार मार्च 2024 की स्थिति में 10 लाख 38 हजार 854 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित हैं। किसानों को शीघ्र स्थायी सिंचाई पंप कनेक्शन दिये जाने के उद्देश्य से स्वयं का ट्रांसफार्मर लगाये जाने की योजना लागू की गई है। योजना में किसान स्वयं अथवा समूह में निर्धारित मापदंड के अनुसार ट्रांसफार्मर स्थापित कर सकते हैं। योजना में वर्ष 2023-24 में एक लाख 30 हजार 303 ट्रांसफार्मर स्थापित किये जा चुके हैं।

समय-सीमा में गुणवत्ता से निर्माण कार्यों को पूर्ण करें -उप-मुख्यमंत्री शुक्ल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग वित्तीय वर्ष 2024-25 के वित्तीय प्रावधान अनुसार और प्रगतिरत निर्माण कार्यों की कार्य योजना की वृहद् समीक्षा की। उन्होंने मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य संस्थानों, नर्सिंग कॉलेज एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के नवीन निर्माण कार्यों के साथ उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण के विभिन्न चरणों की भी समीक्षा की। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि समस्त गतिविधियों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाये। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि औपचारिकताओं की कमी से

कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने केंद्र से समन्वय वाले आवश्यक विषयों को रेखांकित करने के लिए कहा ताकि केंद्र स्तर से चर्चा कर उनका शीघ्र निराकरण किया जा सके। वर्तमान में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग अन्तर्गत 3 हज़ार 555 निर्माण कार्य प्रावधानित और प्रगतिरत हैं। इनमें स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 2 हज़ार 782, म.प्र. भवन विकास निगम द्वारा 72, लोक निर्माण विभाग द्वारा 17, म.प्र. हाउसिंग बोर्ड द्वारा 263, पीआईयू द्वारा 385, म.प्र. पुलिस हाउसिंग द्वारा 34, ब्रिज एंड रूफ द्वारा 2 निर्माण कार्य किये जा रहे हैं। उप-मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में पदों की भर्ती प्रक्रिया की प्रगति समीक्षा की और समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री मो. सुलेमान, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री विवेक कुमार पोरवाल, एम.डी. एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण पिथोड़े, अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री पंकज जैन सहित निर्माण विभाग के प्रतिनिधि और विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कुपोषण मुक्त करने की पहल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले में इन दिनों अलग-अलग लाल, हरे, पीले रंग के सूरजमुखी के फूल दिखाई दे रहे हैं। आप सोच रहे होंगे कि यहाँ सूरजमुखी फूल की कोई हाइब्रीड वेराइटी की बात हो रही है। पर यहां बात बिल्कुल अलग है। दरअसल डिंडोरी जिले को कुपोषण से मुक्त करने की एक नई पहल शुरू की गई है। सूरज की तरफ मुँह कर हमेशा ऊर्जा और सकारात्मकता का संदेश देता सूरजमुखी का फूल जिले की आंगनवाड़ियों, वहाँ के घरों की दीवारों पर अलग-अलग रंगों में दिखाई देती है। यह आम लोगों के कौतुहल का विषय बना हुआ है। साथ ही लोगों को अपने घर पर हरे रंग के सूरजमुखी की चाह भी बढ़ गई है। यही नहीं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर भी कार्यकर्ता के बीच होड़ लगी है कि उनके आंगनवाड़ी केन्द्र में मेरी आंगनवाड़ी लाल एवं पीले सूरजमुखी से मुक्त है लिखा जाए। आंगनवाड़ी केन्द्र की इस पहल से परिचित होने और इन फूलों का मतलब जानने की जिज्ञासा भी आमजन में पनपी है। आइए समझते हैं इस पहल को। तीन रंगों के सूरजमुखी के फूल जिसमें लाल रंग अति कुपोषित बच्चा, पीला रंग मध्यम कुपोषित तथा हरे सूरजमुखी से तात्पर्य है कि आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज बच्चों में से कोई भी बच्चा कुपोषित नहीं है या यह कहें कि दर्ज सभी बच्चे स्वस्थ एवं सुरक्षित हैं। कुपो?षण मुक्त शब्द देखते ही आंगनवाड़ी में जाकर आमजन पोषण और कुपोषण के बारे में जानकारी ले रहे हैं। नई पहल गाँव, कस्बे के लोगों को आंगनवाड़ी केन्द्र की ओर आकर्षित कर रही है, जो लोग आंगनवाड़ी केन्द्र जाने से कतराते थे, आज उत्सुकतावश केन्द्र आकर जानकारी ले रहे हैं। डिंडोरी में यह नवाचार रेवा प्रोजेक्ट के तहत किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अति गंभीर कुपोषित तथा मध्यम कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन तथा चिन्हित बच्चों का ग्रेड परिवर्तन करते हुए सामान्य जीवन स्तर में लाना है।

प्रधानमंत्री जन-मन आवास योजना से पक्का घर पाकर खुजरो बाई की खुशी का ठिकाना नहीं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खुद के पक्के घर में निश्चिंत होकर कौन नहीं रहना चाहता। यह सभी का एक बड़ा सपना होता है, जिसे पूरा करने के लिये हर व्यक्ति जी जान से मेहनत करता है। खुजरो बाई भी पक्के घर का सपना दिल में लिये जी रहीं थीं। मण्डला जिले की ग्राम पंचायत जंतीपुर की खुजरो बाई बैगा की किस्मत रंग लाई और अब उसे प्रधानमंत्री जन-मन आवास योजना से खुद का पक्का घर मिल गया है। पक्का घर पाकर वे बेहद प्रसन्न हैं। इस योजना ने पक्के घर में रहने का उनका बरसों पुराना सपना साकार कर दिया है। खुजरो बाई बताती है कि वे बेहद गरीब परिवार से हैं और सालों से कच्चे मकान में रहती थीं। कच्चे मकान में रहने पर बारिश में उसे बड़ी परेशानी होती थी। बारिश की

वजह से उसका घर-गृहस्थी का सामान भीगकर खराब हो जाता था। हर साल बारिश से पहले घर की मरम्मत में बहुत पैसा खर्च हो जाता था। वह मजदूरी करके अपना भरण-पोषण करती थीं। गरीबी के कारण वह अपना पक्का मकान नही बना पा रही थी। इसी दौर में ग्राम पंचायत जंतीपुर द्वारा उसे बताया गया कि 2023-24 में उसका नाम प्रधानमंत्री जन-मन योजना की आवास चयन सूची में आ गया है। योजना के तहत उसे तीन किश्तों में काम के आधार पर धनराशि सीधे उसके बैंक खाते में दी गई और उसे कुशल मजदूरी का भुगतान भी किया गया।

खुजरो बाई ने बताया कि प्रधानमंत्री जन-मन योजना से उसका पक्का घर बन गया है और अब वह इसमें रहने भी लगी हैं। वे यह भी बताती है कि उन्हें सरकार की प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, विद्युत कनेक्शन, पक्का शौचालय, नल कनेक्शन एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि का लाभ भी मिल रहा है।

सरकार की इन सभी योजनाओं का लाभ पाकर खुजरो बाई के दिन अब बदल गये हैं। वे प्रधानमंत्री जन-मन योजना से उसे पक्का घर देने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से आभार जताती हैं।

एमपी ट्रांसको का पौध-रोपण अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार ऊर्जा विभाग की बिजली कंपनियों में पर्यावरण को सुरक्षित और स्वच्छ रखने के उद्देश्य से पौध-रोपण अभियान के तहत बालाघाट जिले सहित मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के विभिन्न सब स्टेशनों और रहवासी कालोनियों में वृहद पौध-रोपण किया। एमपी ट्रांसको के विभिन्न सब स्टेशनों में 2000 पौधों के रोपण लक्ष्य के मुकाबले 3261 पौधों का रोपण किया गया। बालाघाट जिले के मुख्यालय स्थित 132 के व्ही सबस्टेशन, जिले का एकमात्र 400 के व्ही सबस्टेशन किरणापुर, 132 के व्ही सबस्टेशन लांजी, 132 के व्ही सबस्टेशन बैहर, 132 के व्ही सबस्टेशन वारासिवनी, 132 के व्ही सबस्टेशन भानेगांव, 132 के व्ही सबस्टेशन लालबर्रा में अधीक्षण अभियंता श्री निजाम सिंह लोधी के मार्गदर्शन में पौधा-रोपण किया गया। पौध-रोपण को लेकर एम पी ट्रांसको के कार्मिकों के अलावा उनके परिजनों में भी गज़ब का उत्साह रहा। इन्होंने एम पी ट्रांसको की रहवासी कालोनियों में बढ़ चढ़कर पौध-

रोपण किया। इन पौधों में आक्सीजन उत्सर्जित करने वाले पौधों के अलावा फलदार और छायादार पौधों की विभिन्न प्रजाति शामिल हैं। पौध-रोपण करने वाले कार्मिकों और परिजनों ने शपथ लेकर स्वेच्छा से इन पौधों की देख-रेख का जिम्मा भी लिया । मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में राजधानी भोपाल, मुख्यालय जबलपुर सहित प्रदेश के 42 ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस कार्यालयों, 416 अति उच्च दाब सब स्टेशनों सहित एम पी ट्रांसको के सभी कार्यालयों के प्रांगणों तथा रहवासी कालोनियों में पौध-रोपण का अभियान चलाया जा रहा है। इसमें आउटसोर्स कर्मी सहित प्रत्येक कार्मिक एवं उनके परिजन द्वारा पौध-रोपण किया जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा-

अभियान चलाकर शिकायतों का संतुष्टि के साथ करायें गुणवत्तापूर्ण निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी विभाग प्रमुखों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि अभियान चलाकर आगामी तीन दिवसों में अधिक से अधिक शिकायतों के निराकरण के प्रयास करें। अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर संबंधित एल1 एवं एल2 अधिकारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी विभाग प्रमुख अपने विभाग से संबंधित शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे तथा शिकायतों की संख्या के आधार पर प्रतिदिन शिकायतों के निराकरण का लक्ष्य निर्धारित करते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराएंगे। कोई भी शिकायत अन-अटेंडेड नहीं रहे तथा निम्न गुणवत्ता वाले शिकायतों को रिओपन कर संतुष्टि पूर्ण निराकरण करें जिससे जिले की ग्रेडिंग में सुधार होगा।

कलेक्टर ने 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का शतप्रतिशत निराकरण करना है। सीएम हेल्पलाइन में बजट संबंधी कारणों, नीतिगत कारणों या सिविल अथवा उच्च न्यायालयों में प्रकरण लंबित होने जैसे कारणों से लंबित शिकायतों को छोड़कर शेष सभी प्रकार की लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने शत प्रतिशत हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले में संचालित शून्य शक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि अभियान की मॉनिटरिंग संबंधित क्षेत्र के उपखण्ड अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करेंगें। शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं विशेषकर सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को अभियान की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सेक्टर अधिकारियों को शासन की सभी योजनाओं की प्रगति पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक मे अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी कुसमी एसपी मिश्रा, मझौली आरपी त्रिपाठी सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध मादक पदार्थ किया जप्त, आरोपी को भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कोतवाली पुलिस ने नशा विरोधी अभियान के तहत लगभग 2 लाख 50 हजार रूपए कीमत का 24.300 कि.ग्रा. अवैध मादक प्रदार्थ गांजे के हरे पेड़ जप्त करते हुये एक आरोपी को जिला जेल पहुँचाया गया है। बताया गया कि पुलिस अधीक्षक डॉ.रविंद्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में अवैध मादक प्रदार्थो के परिवहन भण्डारण एवं विक्र य करने वालो एवं सार्वजनिक स्थलो पर इसके सेवन करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने 73 नग हरे गांजा के पौधे वनज 24.300 कि.ग्रा.जप्त किया गया है।

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर बताया गया कि 7 जुलाई को देहात भ्रमण के दौरान जरिये मुखबिर कि सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम जमुनिहा का आनंद बहादुर सिंह परिहार पिता धनी सिंह परिहार अपने घर के सामने वाले खेत में बाडा बनाकर गांजा के पेड़ लगा रखा है। थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाकर उनके निर्देशानुसार उनि तरूण के नेतृत्व में टीम गठित कर मुखबीर के बताये स्थान पर कार्यवाही हेतु रवाना किया गया। टीम मौके से पहुँच कर संदेही से नाम पता पूछा गया जो अपना नाम आनंद बहादुर सिंह पिता धनी सिंह परिहार उम्र 54 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतवाली का रहने वाला बताया। उसके बाद संदेही आनंद बहादुर सिंह के घर के सामने वाले खेत की तलाशी ली गई इस दौरान 73 नग गांजा के हरे पेड पाये गये। जिनका बजन 24 किलो 300 ग्राम पाया गया जिसकी अनुमानित कीमत 2.5 लाख रूपये आंकी गयी। उपरोक्त समस्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, उनि तरूण बेड़िया, आरक्षक आजाद खॉन, अक्षय तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रंगदारी वसूलने वाले आदतन अपराधी को पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पुलिस अधीक्षक डॉ रविंद्र वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक विशाल शर्मा के नेतृत्व में जमोड़ी पुलिस द्वारा अवैध संपत्ति की मांग करने एवं मांग पूरी न होने पर मारपीट करने वाले आदतन आरोपी को गिरफ्तार कर पड़रा जेल भेजा गया है।

विशाल शर्मा जमोड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि 6 जुलाई 24 को फरियादी दिनेश जायसवाल पिता साधू जायसवाल उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम नौढ़िया थाना जमोड़ी सीधी, थाना जमोड़ी में आकर शिकायत दर्ज कराया कि विगत दिवस वह अपने घर के पास था, तभी ग्राम डेम्हा के लाला उर्फ भारत सिंह आयें और मेरे से बोले कि मुझे शराब पीने के लिए पैसा दो मैं बोला कि मेरे पास पैसा नहीं है। इसी बात पर मुझे गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे और मुझे उठा कर जमीन पर पटक दिए तब मैं हल्ला गोहार किया तो वहा से गुजर रहे लोग आकर बीच बचाव कियें। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना जमोड़ी में धारा 296, 115/2, 119/1, 351/2 बीएनएस का अपराध कायम कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। जमोड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी पर अभी तक कुल 11 प्रकरण पंजीबद्ध किये जा चुके हैं।

जानलेवा हमला के आरोपियों को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। फरियादी अस्पताल चौकी सीधी आकर शिकायत दर्ज कराया की 6 जुलाई 24 को रीवा से बोलेरो जीप में सवार होकर वह अपने घर की ओर जा रहा था। मार्ग में उसके बोलेरो वाहन को रूकवा कर आरोपियों द्वारा जान लेवा हमला किया गया। जिन्हे पुलिस अधीक्षक डॉ रविंद्र वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कमर्जी उप निरीक्षक पवन सिंह के नेतृत्व में कमर्जी पुलिस ने 18 घंटे के अंदर अन्य जिले से गिरफ्तार कर लिया है।

कमर्जी थाना प्रभारी पवन सिंह ने बताया कि पीड़ित ने लिखित शिकायत दर्ज कराई कि उसका वाहन चुरहट होते हुए ग्राम चिलरी कला शासकीय हाई स्कूल के पास पहुंचा तो वहाँ पर शशिभूषण गौतम उर्फ लोली व सूर्यप्रकाश गौतम उर्फ सूरज पहले से खड़े थे। मुझे देख कर मेरी गाड़ी रुकवाए और कहने लगे कि हम लोगो के खिलाफ बैट्री चोरी का रिपोर्ट किए हो, तब मैंने उन्हे बताया कि मेरे पिताजी रिपोर्ट दर्ज करायें हैं न की मैं। इतने मे मेरे से झगड़ा करने लगे और मेरे भाई को हत्या करने की नियत से टांगा के पिछले भाग से सिर में मार दियें, जिससे मेरा भाई जमीन पर गिर गया और बेहोश हो गया। सिर में गंभीर चोट आई, बाए कान, नाक, मुह से खून निकलने लगा। फरियादी के रिपोर्ट पर धारा 109, 126/2, बीएनएस कायम कर आरोपी की पता तलाश की गई जो फरार होने के कारण तत्काल गिरफ्त मे नहीं आयें किन्तु कमर्जी पुलिस आरोपी की सतत पता तलाश कर रही थी जो एक आरोपी को चिलरी एवं दूसरे को अतरैला रीवा से 18 घंटों के भीतर गिरफ्तार किया गया साथ ही घटना में प्रयुक्त टांगी, लाठी जप्त कर अग्रिम कार्यवाही की गयी।

मारपीट एवं हत्या का प्रयाश करने वाले आरोपियों को पकड़ने में कमर्जी थाना प्रभारी पवन सिंह, सउनि केशरी पाण्डेय एवं कमर्जी पुलिस का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

शाला त्यागी, शाला से बाहर एवं पलायन बच्चों के लिए हॉस्टल

डाइट के हास्टल में होगा संचालित, प्रवेश के लिए करें संपर्क

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र ने जानकारी देकर बताया है कि भारत शासन की पीएबी की बैठक दिनांक 07.05.2023 द्वारा सत्र 2023-24 की वार्षिक कार्य योजना अनुसार छात्रावासों के संचालन की सहमति प्रदान की गई है। सीधी जिले के लिए स्वीकृत बालक छात्रावास का संचालन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सीधी के हास्टल में किया जाना है।

प्रवेश के मापदण्डः कक्षा 5वीं उत्तीर्ण ऐसे बालक छात्र जो शाला त्यागी, शाला से बाहर एवं पलायन, अप्रवेशी, बेघर, अनाथ, सिंगल पेरेन्टस एवं दिव्यांग है ऐसे समस्त बालकों को कक्षा 6वीं में प्रवेश दिया जायेगा। ऐसे ग्राम जहां 3 किलोमीटर की परिधि में कोई माध्यमिक एवं 5 किलोमीटर की परिधि में हाई स्कूल/हा.से. शाला उपलब्ध नहीं है जिसके कारण छात्र ने पढ़ाई छोड़ दी है। विशेष आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र में दर्ज ऐसे बालक जो कक्षा 5वीं की योग्यता रखते हो उन्हे उक्त छात्रावास में प्रवेश दिया जायेगा। अनुसूचित जाति एवं जनजाति की ऐसे आश्रम शालाएं जो प्राथमिक स्तर की है उन आश्रम शालाओं के 5वीं उत्तीर्ण होने वाले बालकों को 6वीं में प्रवेश दिया जायेगा। स्थानीय बालकों को छात्रावास में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। पी.एम.केयर/विशेष सहायता हेतु चिन्हित बालकों को आवश्यकतानुसार छात्रावास में प्रवेश दिया जायेगा। उपरोक्त प्राथमिकता क्रम के आधार पर अगर सीट रिक्त रह जाती है तो अन्य जरूरत मंद 5वीं पास अध्ययनरत बालकों के प्रवेश हेतु विचार किया जावेगा। प्रवेश हेतु प्रवेश फार्म 15 जून 2024 से जिला शिक्षा केन्द्र व सभी बी.आर.सी.सी. कार्यालय में उपलब्ध है। प्रवेशित बालकों को नजदीकी विद्यालय जैसे हाई स्कूल कोतर कला, माध्यमिक विद्यालय अमहा में अध्ययन करने की सुविधा रहेगी। ध्यान रहे सभी प्रवेशित बालकों के रहने, खाने पाठ्य पुस्तक, गणवेश आदि की सुविधा मुफ्त रहेगी।

उन्होने विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक समस्त जनपद शिक्षा केन्द्र को निर्देशित किया है कि अपने विकासखण्ड क्षेत्रान्तर्गत समस्त जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों को छात्रावास संचालन के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए अवगत कराते हुए प्रवेश हेतु पात्रता एवं प्राथमिकता भी सभी जनप्रतिनिधिगण को बतावें और स्वयं इस तरह के बच्चों का समस्त प्रधानाध्यापकों, समस्त जनशिक्षकों व समस्त एस.एम.सी. अध्यक्ष व सदस्यों के माध्यम से सघन सर्वे कराकर पात्र बालकों को छात्रावास मे अभिभावकों के सहमति के आधार पर प्रवेश दिलाएं।

कच्चे बिल में हो रहा करोड़ों का व्यापार, जिम्मेदार अधिकारी उदासीन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रशासन की लचर व्यवस्था के चलते प्रतिमाह करोड़ो रूपए का व्यापार कच्चे बिल पर हो रहा है। जो टैक्स भारत सरकार के खाते में जानी चहिये वह दो नम्बर की काली कमाई में जा रही है, वर्तमान परिवेश में छोटे व्यापारी के पास जीएसटी के विषय में जानकारी का अभाव है तो वहीं बडे व्यापारियों द्वारा लेखा विभाग से संबधित व्यक्तियों को हर माह लाखों का रूपये का भुगतान सिर्फ इस बात के लिये दिया जाता है कि दो नम्बर को एक नंबर में कैसे बदला जाये। वहीं जिला मुख्यालय में अन्य राज्यों से भारी मात्रा में कच्चे बिल से सामग्री का आयात हो रहा जो कि ग्राहक को सस्ता बता कर दिया जा रहा है।

जबाब देह अधिकारी कर्मचारी कभी भी अपने उत्तर दायित्व के निर्वहन हेतु बाजार में औचक निरीक्षण नहीं करते है। सूत्रों की मानें तो ऐसा भी नहीं है कि जबाब देह अधिकारी कर्मचारी की जानकारी में सारा माजरा नहीं है किन्तु व्यापारी और अधिकारी के बीच में सूत्रधार का काम करने वाले विचौलिये अपने दायित्व का निर्वहन भली भाँति कर रहे है। जबाब देह अधिकारी कर्मचारीयों द्वारा अपने दायित्व निर्वहन के प्रति घोर लापरवाही करने के कारण ही सीधी जिले से प्रतिमाह करोड़ो रूपए की राजस्व हानि भारत सरकार को उठानी पड रही है। जबकि नियम का पालन करने वाले व्यापारियों को आर्थिक नुकसान तक उठाना पड़ रहा है। कई उपभोक्ता भी टैक्स देने से बचने के लिए कच्चे बिल को प्राथमिकता दे रहा है।

जिले में औसत वर्षा 142.8 मि.मी. दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 08 जुलाई को सीधी जिले में 6.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 2.5 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 4.6 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 0.0 मि.मी., मझौली में 36.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 142.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 08 जुलाई तक तहसील रामपुर नैकिन में सर्वाधिक वर्षा 208.6 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील चुरहट में 74.8, गोपद बनास में 123.8, सिहावल में 133.4, बहरी में 121.2 मझौली में 172.0 मि.मी. और कुसमी में 166.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 152.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 10.7 मि.मी. औसत वर्षा कम हुई है।

शहर में फिर सक्रिय हुआ जेबकतरा गिरोह

भीड़.भाड़ वाले स्थानों पर दे रहें घटना को अंजाम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला मुख्यालय में इन दिनो एक बार फिर जेबकतरा गिरोह सक्रिय हो चला है। जो पलक झपकते ही आपके जेब से बटुआ पार कर देते हैं और किसी को खबर तक नही लगती है। ये गिरोह पहले तो केवल सोनांचल बस स्टैंड एवं नवीन बस स्टैंड में आने जाने वाले यात्रियों को अपना निशाना बनाते थें। इन दिनो जिला मुख्यालय में समय समय पर आयोजित होने वाली रैली एवं सामाजिक, राजनैतिक पथ संचलन एवं अन्य कार्यक्रमों में भी जम कर अपना करतब दिखा रहे हैं। वहीं पुलिस सब कुछ जान कर भी अनजाने बने बैठी है। आप भी यदि ऐसे भीड.भाड वाले स्थानों पर हैं तो सचेत रहने की जरूरत है। कहीं ऐसा न हो कि आप को अपने पर्स चोरी होने का पता तब चले जब आपको कहीं पैसों का भुगतान करना हो और आप देखें कि आपका पर्स तो पार हो चुका है।

पुलिस की निष्क्रियता से बढ़ रही वरदातें

जिला अधिवक्ता संघ के वरिष्ट अधिवक्ता रोहित मिश्रा ने चर्चा के दौरान बताया कि जिला मुख्यालय में पर्स चोरी की घटनायें आम हो चली हैं। आए दिन सामाजिक राजनैतिक एवं धार्मिक आयोजनों में चोरो का बोल बाला रहता है। इन स्थलों पर पुलिस पहुँचे या न पहुँचे सक्रिय चोर गिरोह अवश्य पहुँच जाता है। जो पुलिस के नाक के नीचे जी भर के चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है, मानो पुलिस विभाग को खुली चुनौती दे रहा हो। श्री मिश्रा ने बताया कि विगत कुछ माह के ऑकड़ो को देखे तो कई आयोजनों में आधा सैकड़ा से ज्यादा लोगों के पर्स चोरी होने की घटनायें संज्ञान में आई हैं। ज्यादातर पीड़ित लोक लज्जा के चलते पुलिस तक अपनी शिकायत दर्ज नहीं कराते हैं और जो आवेदक जाते भी हैं उन्हे पुलिस आश्वसन तो देती है किन्तु न ही आरोपी पकड़ा जाता है न ही विधिक कार्रवाई की जाती है। ऐसे में सक्रिय चोर गिरोह के हौंसले दिनो दिन बढ़ते जा रहे हैं और आमजनो के पर्स आए दिन चोरी हो रहे

शराब पीकर स्कूल पहुंचा शिक्षक

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बिंदुल संकुल के सरकारी स्कूल में शिक्षक के शराब पीकर आने का वीडियो सोमवार को सामने आया है। ग्रामीणों ने टीचर की पोल खोलने के लिए वीडियो बनाया और उससे पूछताछ की। इस दौरान टीचर ने भी माना की वह शराब पीकर आया है। देवसर विधानसभा क्षेत्र के बिंदुल ग्राम पंचायत के शासकीय प्राथमिक पाठशाला कमई का है। यहां पर एक टीचर शराब पीकर क्लास में पहुंच गया। इस पर ग्रामीणों ने अध्यापक का नशे में धुत्त होकर क्लास में पहुंचने का वीडियो बना लिया। वीडियो में नजर आ रहा है कि टीचर रामप्रताप रावत से एक शख्स उससे पूछताछ कर रहा है और स्कूल की एक शिक्षिका ने भी यह बताया कि रामप्रताप रावत ऐसे ही रोज शराब के नशे में आते हैं। क्लास में भी बच्चों को कभी कभी पढ़ाते हैं। शख्स ने जब टीचर से पूछा कि वह दारू पीकर आए तो उन्होंने हामी भरी और कहा कि वह रोज नहीं पीते हैं।

भावी पीढ़ी को स्वस्थ वातावरण देने पौधरोपण का लें संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री संजीव कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा समस्त शासकीय विभागों के समन्वय से ''पंच-ज'' अभियान अंतर्गत सोमवार दिनांक 08.07.2024 को नगर पालिका क्षेत्र, नगर वन परिसर में पौधरोपण कार्यक्र म का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्र म में श्री संजीव कुमार पाण्डेय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती रमा जयंत मित्तल निगम विशेष न्यायाधीश, श्री मुकेश कुमार प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, श्री रविन्द्र वर्मा पुलिस अधीक्षक सीधी, श्री वीरेन्द्र जोशी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, श्री राजेश श्रीवास्तव द्वितीय जिला न्यायाधीश, श्री विकास चौहान तृतीय जिला न्यायाधीश, श्री गौतम कुमार गुजरे चतुर्थ जिला न्यायाधीश, सुश्री उर्मिला यादव प्रथम अपर जिला न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश, श्री लक्ष्मण डोडवे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री सोनू जैन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, श्रीमती शोभना मीणा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, श्रीमती रेनू श्रीवास्तव न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती सोनम शर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं श्री अभिषेक साहू न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, श्री सिद्धार्थ शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी, श्री एस.पी. मिश्रा अनुविभागीय अधिकारी कुसमी, श्रीमती मिनी अग्रवाल मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा समस्त शासकीय विभागों द्वारा उपस्थित रह कर पौधरोपण किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री पाण्डेय ने आमजन को देश में पड़ रही भीषण गर्मी के प्रभाव को कम करने हेतु प्रत्येक परिवार को कम से कम 05-05 पौधे लगाये जाने तथा उनको संरक्षित करने हेतु संदेश दिया। ताकि आगे आने वाले समय में हम अपने पर्यावरण को बचा सकें एवं आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ वातावरण प्रदान कर सके।

पहली वर्षा में ही उखड़ गई टिकरी मार्ग की सड़क

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय सोनी पूर्व जिला महामंत्री भाजपा, ओबीसी मोर्चा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि मड़रिया पुरानी सीधी बाईपास टिकरी रोड का निर्माण लगभग 2 वर्ष पूर्व हुआ था और उसके एक वर्ष बाद ही रोड़ टूट गई, वहीं इन दिनो हो रही वर्षा के चलते उक्त मार्ग में जगह जगह गड्ढे निर्मित हो चले हैं। जिसके चलते आए दिन लोग सड़क दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। जबकि यह मार्ग निगरी फैक्ट्री प्लांट, टिकरी, सिंगरौली, मड़वास, मझौली, व्योहारी, कोतमा, विजुरी, मनेंद्रगढ़ होते हुए छत्तीसगढ़ तक के हाईवे को जोड़ता है। उक्त मार्ग से प्रशासनिक अधिकारी भी आए दिन गुजरते हैं लेकिन गुणवत्ता विहीन मार्ग पर किसी की नजर नहीं जाती है। श्री सोनी ने बताया कि उक्त समस्या के निराकरण हेतु ऑन लाईन एवं आफ लाईन शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है किन्तु विधिक कार्रवाई का अभाव बना हुआ है। गुणवत्ता विहीन सड़क निर्माण के निरीक्षण के दौरान स्थानीय डॉक्टर अंबिका मिश्र, सुबेदास यादव, कमलेश सिंह चौहान, रोहित सिंह चौहान, राजीव गुप्ता, अशोक सोनी, सुरेश केवट, विवेक त्रिपाठी सहित अन्य जन उपस्थित रहें।

संपादकीय

अयोध्यावासियों का बहिष्कार क्यों

जब से लोकसभा चुनावों के परिणाम आए हैं तब से सोशल मीडिया पर व अन्य माध्यमों से ऐसी बातें सुनने को मिल रही हैं कि भगवान श्रीराम जी का दर्शन करने अयोध्या जाने वाले भक्त अयोध्यावासियों का बहिष्कार करें। वे वहां की दुकानों से कुछ भी सामान, भोग, माला, तस्वीर, ग्रंथ आदि न खरीदें। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां के नागरिकों ने भाजपा को वोट नहीं दिया। यहां यह जानना बहुत जरूरी है कि अयोध्या जिसे अवध पुरी कहते हैं वह भगवान श्रीराम का नित्य धाम है और उन्हें अत्यंत प्रिय है। रामचरित मानस के अनुसार भगवान श्री राम ने अयोध्या के विषय में कहा है कि इस चौपाई को हर राम भक्त ने अपने जीवन में कभी न कभी अवश्य पढ़ा होगा और पढ़ कर इसका अर्थ भी समझा होगा, जो इस प्रकार है कि, ''यहां के (अयोध्या के) निवासी मुझे बहुत ही प्रिय हैं। यह पुरी सुख की राशि और मेरे परमधाम को देने वाली है।'' प्रभु की वाणी सुनकर सब वानर हर्षित हुए (और कहने लगे कि) जिस अवध की स्वयं श्रीरामजी ने बड़ाई की, वह (अवश्य ही) धन्य है। इस चौपाई में भगवान श्रीराम अयोध्या पुरी का इतना बड़ा महात्म्य बता रहे हैं कि इसमें हमें भगवान श्रीराम के परमधाम तक पहुंचाने की सामर्थ्य है। अब प्रश्न उठता है कि जो भी अपने को राम भक्त कहता है या राम भक्त होने का दावा करता है, क्या वह भगवान श्रीराम की प्रिय वस्तु का तिरस्कार करेगा? जब भगवान स्वयं कह रहे हैं कि मुझे ये अयोध्या पुरी प्रिय है और यहां रहने वाले अयोध्यावासी अतिप्रिय हैं, तो भगवान श्रीराम की अतिप्रिय वस्तु का अपमान करना, उसकी उपेक्षा करना, उसका बहिष्कार करना, उसके प्रति द्वेष भावना रखना, क्या ये भक्ति का लक्षण है या ये भक्ति के मार्ग में किया जा रहा धाम अपराध है? यह एक बहुत गंभीर प्रश्न है। हर संप्रदाय के आचार्यों ने भक्तों को बार-बार चेतावनी दी है कि वे धाम अपराध से बचें। उदाहरण के तौर पर ब्रह्म गौड़ीय माधव संप्रदाय के प्रमुख आचार्य इस विषय में क्या कहते हैं, यह जानकर हमारा भ्रम दूर हो जाएगा। वे कहते हैं कि, 'जो भी भक्त तीर्थ यात्रा पर जाते हैं वे उन अपराधों से सावधानी से बचें जो पवित्र स्थान की आपकी यात्रा को बिगाड़ सकते हैं। महान आध्यात्मिक गुरु श्रील भक्ति विनोद ठाकुर धाम के साथ-साथ इसके निवासियों के प्रति भी अत्यंत सावधानीपूर्वक व्यवहार करने का निर्देश दे रहे हैं। वे कहते हैं कि तीर्थ यात्रा के समय जब आप अयोध्या पुरी या मथुरा पुरी जैसे किसी धाम में जाते हैं तो अपने आध्यात्मिक गुरु का अनादर न करें, क्योंकि यह धाम अपराध माना जाएगा। यह सोचना कि अयोध्या पुरी जैसा पवित्र धाम अस्थायी है, भी धाम के प्रति अपराध है। क्योंकि धाम भौतिक सिद्धांतों के परे होते हैं। वे शाश्वत होते हैं। यानी सदैव थे और सदैव रहेंगे। ऐसे पवित्र धाम के निवासियों में से किसी के प्रति हिंसा करना या उन्हें साधारण व्यक्ति समझकर उनका अनादर करना या उस धाम में कूड़ा-कचरा फैलाना भी धामवासियों के प्रति हिंसा ही है।

किरोडी लाल मीणा प्रकरण कहीं वरिष्ठ और युवा नेताओं के बीच चल रही खींचतान का परिणाम तो नहीं?

नीरज कुमार दुबे

राजस्थान भाजपा में चल रही उठापटक पर पार्टी नेतृत्व की नजर बनी हुई है और बताया जा रहा है कि जल्द ही कोई सर्वमान्य फॉर्मूला निकाल कर सबकी नाराजगी दूर की जा सकती है। हम आपको बता दें कि सात महीने पुरानी भजन लाल शर्मा सरकार तब मुश्किल में नजर आई जब हाल ही में कृषि मंत्री किरोडी लाल मीणा ने बताया कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। किरोडी लाल को मनाने का प्रयास मुख्यमंत्री ने किया, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया मगर बात नहीं बनी। अब किरोडी लाल मीणा के इस्तीफे का मामला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुलझाएंगे। संभवतः इस सप्ताह के अंत तक यह मामला सुलझ जाने के आसार बताये जा रहे हैं।

किरोडी लाल मीणा के इस्तीफे को लेकर राजस्थान में तमाम तरह की कयासबाजियां भी चल रही हैं। विपक्ष जहां इसे भाजपा के अंदरूनी घमासान के तौर पर देख रहा है वहीं राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह प्रेशर पॉलिटिक्स है। हालांकि खुद किरोडी लाल मीणा कह चुके हैं कि उनकी संगठन या मुख्यमंत्री से कोई नाराजगी नहीं है। लेकिन फिर भी उनके इस्तीफे को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। पहले कहा गया कि वह अपने लिए सरकार में उपमुख्यमंत्री पद चाहते हैं तो अब कहा जा रहा है कि किरोडी किरोड़ी लाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा के लिए दौसा संसदीय सीट से टिकट चाहते थे लेकिन पार्टी ने उनकी बात नहीं सुनी। हम आपको बता दें कि भाजपा ने दौसा से कन्हैया लाल मीणा को टिकट दिया था जोकि चुनाव हार गये। बताया जा रहा है कि किरोडी लाल मीणा इस बात के लिए भी नाराज हैं कि दौड़ में होने और योग्य तथा अनुभवी होने के बावजूद उन्हें राजस्थान विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। यही नहीं, उनसे उम्र तथा अनुभव में काफी छोटे नेताओं को राजस्थान का उपमुख्यमंत्री बना दिया गया। यह भी बताया जा रहा है कि किरोडी लाल मीणा को इस बात की भी नाराजगी है कि उन्हें कृषि विभाग तो दिया गया लेकिन अक्सर उसके साथ ही मिलने वाले ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग को उनके तथा एक अन्य मंत्री मदन दिलावर के बीच विभाजित कर दिया गया। किरोडी लाल मीणा इस्तीफा वापस लेंगे या नहीं, इन अटकलों के बीच उनकी पत्नी तथा पूर्व मंत्री गोलमा देवी का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि लोग अफवाहें फैला रहे हैं कि बड़े पद की लालसा में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। गोलमा देवी ने कहा कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि किरोडी लाल मीणा पूर्व में वसुंधरा सरकार से भी इस्तीफा दे चुके हैं, तब भी उन्होंने मनाये जाने के बावजूद इस्तीफा वापस नहीं लिया था। गोलमा देवी ने कहा कि उनके पति के लिए विधायक और मंत्री पद कोई मायने नहीं रखता है। वह अपनी जबान के पक्के नेता हैं। हम आपको याद दिला दें कि किरोडी लाल मीणा बार-बार यही कह रहे हैं कि उन्होंने अपनी उस सार्वजनिक घोषणा के कारण इस्तीफा दिया है कि अगर पार्टी उनके अधीन वाली लोकसभा सीटें हारती है तो वे इस्तीफा दे देंगे। वैसे किरोडी लाल मीणा मामले का एक दूसरा पक्ष भी है। देखा जाये तो भाजपा राजस्थान में नये चेहरों को आगे करने का या युवाओं को बड़ी जिम्मेदारियां देने का जो अभियान चला रही है उससे कई वरिष्ठ नेता नाराज हो गये हैं। इस नाराजगी का असर लोकसभा चुनावों में दिखा भी था। हाल में भाजपा ने कई पुराने और धुरंधर नेताओं को या तो साइड लाइन कर दिया है या दूसरे पद देकर उन्हें राजस्थान की स्थानीय राजनीति से दूर कर दिया है। जैसे कि वसुंधरा राजे को फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। वरिष्ठ नेता गुलाब चंद कटारिया को असम का राज्यपाल बना दिया गया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को हरियाणा का प्रभारी बना दिया गया। इसके अलावा वसुंधरा राजे के कई करीबी नेताओं को या तो चुनावों में टिकट नहीं दिया गया या विधायक बन जाने पर भी उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया है। यहां यह भी गौर करने लायक बात है कि एक समय राजस्थान भाजपा में वसुंधरा राजे के अलावा कोई बड़ा नाम नहीं था लेकिन अब लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनाये गये ओम बिरला हैं, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और गजेंद्र सिंह शेखावत हैं, पहली बार विधायक का चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री बने भजन लाल शर्मा हैं, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी हैं तथा सांसद से विधायक बना कर राज्य सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं दीया सिंह व राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जैसे नेता हैं। इस सबको देखते हुए सवाल उठ रहा है कि कहीं राजस्थान भाजपा में दिख रही उठापटक युवा नेताओं और अनुभवी नेताओं के बीच चल रही खींचतान का नतीजा तो नहीं है? बहरहाल, देखना होगा कि किरोडी लाल मीणा मामले का भाजपा नेतृत्व क्या हल निकालता है। यदि किरोडी लाल मीणा की मांगें मान ली जाती हैं तो राजनीतिक रूप से साइड किये जा चुके कई वरिष्ठ नेताओं के मन की उम्मीदें भी हिलोरें मार सकती हैं और वह भी फिर से पद पाने का प्रयास करते दिख सकते हैं। यदि किरोडी लाल मीणा को राजस्थान की राजनीति से बाहर लाकर एक बार फिर सांसद बनाया जाता है तो यह कई नेताओं के लिए सख्त संदेश की तरह होगा। वैसे एक बात तय है कि राजस्थान में जातिगत समीकरणों की महत्ता को देखते हुए किरोडी लाल मीणा को साइड लाइन तो नहीं ही किया जा सकता। उम्मीद तो यह भी की जा रही है कि राजस्थान भाजपा में जाट नेताओं को भी बड़ी भूमिका मिलने जा रही है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में राजस्थान की राजनीति क्या नई करवट लेती है?

वनों की बदहाली का जिम्मेदार कौन

हिमालय क्षेत्र के वन और ग्लेशियर जल के प्राकृतिक भंडार कहे जाते हैं लेकिन आजकल दोनों पर भारी संकट मंडरा रहा है। इसके उदाहरण तो अनेक हैं, लेकिन फरवरी 2024 में उत्तराखंड के प्रसिद्ध तीर्थ 'जागेश्वर धाम' के देव वृक्ष के रूप में पहचाने जाने वाले लगभग 1000 देवदार के पेड़ों को सड़क चौड़ीकरण के नाम पर बलिदान करने की योजना थी। लोगों को जैसे ही पता चला कि यहां हरे पेड़ों को काटने के लिए निशान लगाए जा रहे हैं तो अल्मोड़ा जिले के आसपास विरोध के स्वर तेज हो गए। नतीजे में संबंधित विभाग को अपना फैसला वापस लेना पड़ा और फिलहाल जंगल बच गए। इससे पहले भी उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में चाय बागान, आशा रोड़ी, सहस्त्रधारा, थानों जैसे स्थलों की समृद्ध जैव विविधता का बड़े पैमाने पर कटान किया गया है। यहां साल, सागौन और अन्य बहुमूल्य प्रजाति की वनस्पतियां हैं जिनको विकास के नाम पर काटने की योजना जब सामने आई तो लोगों ने इसका पुरजोर विरोध किया, लेकिन आश्चर्य की बात तो यह है कि जहां विरोध के स्वर पूरे राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गए थे वहीं रातों-रात हजारों पेड़ों की हजामत कर दी गई। हिमालय क्षेत्र में हर रोज कहीं न कहीं लोग जंगल बचाने के लिए आवाज देते हैं। इसके बावजूद सरकार अपनी मनमर्जी से जहां चाहें वहां के जंगल काट देती है। इसमें जलस्रोत, जैव-विविधता आदि के संरक्षण का कहीं कोई ध्यान नहीं रखा जाता। आजकल का एक ताजा उदाहरण देहरादून में ही स्थित 'खलंगा रिजर्व फॉरेस्ट' का है जहां 5 हैक्टेयर वनभूमि को चिन्हित करके साल के 2000 से अधिक पेड़ों को 'सौंग वाटर ट्रीटमैंट प्लांट' के नाम पर काटने की तैयारी चल रही है। इसका विरोध भी मई के तीसरे सप्ताह से प्रारंभ हुआ है। 'खलंगा वन क्षेत्र' में, जहां साल के पेड़ों को काटने की योजना है साल के घने जंगलों के बीच 'वार मैमोरियल' के नाम से एक ऐतिहासिक स्थल बना हुआ है। यह स्थान गोरखा सेनापति बलभद्र थापा और अंग्रेज सेना के बीच हुए युद्ध में ऐतिहासिक बहादुरी दिखाने का प्रतीक है। यहां बलभद्र थापा का एक स्मारक बना हुआ है इसलिए गोरखाली समुदाय में भी इसका व्यापक विरोध है। यहां एक ऐसा जलस्रोत भी है जहां का पानी पीने से अनेकों बीमारियां दूर हो जाती हैं। इस पर भी खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में खलंगा के जंगल और पानी को बचाने के लिए लोगों ने सरकारी विभाग द्वारा चिन्हित किए गए हजारों साल के पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर बचाने का संकल्प लिया है। जंगल बचाने वाले लोगों के साथ स्थानीय विधायक उमेश शर्मा भी खड़े हैं, उनका सहयोग मिल रहा है। हर रविवार को लोग यहां इकट्ठा हो रहे हैं, राज्य सरकार को ज्ञापन और मांग पत्र सौंप रहे हैं। इसके द्वारा दबाव बनाया जा रहा है कि इस परियोजना को ऐसे स्थान पर ले जाया जाए जहां जंगल और जलस्रोत न हों।

ब्रिटेन में कीर स्टार्मर की जीत और ऋषि सुनक की हार के सियासी मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

ब्रिटेन में पीएम कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी 14 साल के लंबे इंतजार के बाद गत 6 जुलाई शुक्रवार को वहां सत्ता में आई और कीर प्रधानमंत्री बने। उन्होंने भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को करारी शिकस्त दी है। उल्लेखनीय है कि 650 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में लेबर पार्टी के 412 सांसद जीते हैं, जबकि कंजर्वेटिव पार्टी के महज 121 सांसद। लेकिन वहां की सियासत में यह नौबत क्यों और कैसे आई, इसके सियासी मायने साफ हैं, जिसे जानने की दिलचस्पी ब्रिटिशर्स के अलावा भारतीयों में भी है। इसलिए इस बात की विस्तृत चर्चा हमलोग आगे देखेंगे। ब्रिटिश सत्ता में भारतीयों की दिलचस्पी भला हो भी क्यों नहीं, क्योंकि ऋषि सुनक के पीएम बनते ही हिंदूवादियों ने उन्हें गौ-भक्त और मंदिर प्रेमी ठहरा दिया। लोगों ने यहां तक कहा कि जिस मुल्क ने भारत पर 200 सालों तक राज किया, आज वहां का शासक एक भारतीय मूल का व्यक्ति बतौर पीएम बन चुका है। वहीं, भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक के बीच के संवाद और जारी फोटोग्राफ भी बिना कुछ कहे सभी कुछ बतला गए। इसी कड़ी में भारत में जो कुछ भी कहा और बोला, उसे ब्रिटिश लोग भी बड़े ही ध्यान से सुन-समझ रहे थे और जब अगली बार चुनाव की नौबत आई तो अपना निर्णय सुना दिया और भारतीय मूल के ब्रिटिश व्यक्ति ऋषि सुनक को सत्ता से बाहर करते हुए ब्रिटिश मूल के अंग्रेज कीर स्टार्मर के हाथों

अपनी बागडोर सौंप दी। यह तो महज एक कारण हुआ। लेकिन ऋषि सुनक के भारी पराजय की स्थिति वहां की आर्थिक बदहाली और अनवरत सत्ता संघर्ष में भी दृष्टिगोचर होते हैं। सच कहूं तो ब्रिटेन इन दिनों कई संकटों का सामना कर रहा है। इसका सबसे जीता-जागता उदाहरण वहां की अर्थव्यवस्था है, जिसमें वर्ष 2023 में महज 0.1 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई और वर्ष 2024 की शुरुआत में ही मंदी आ गई, जिससे वहां पर जीवन-यापन करना मुश्किल हो चुका है। आंकड़े चुगली कर रहे हैं कि अक्टूबर 2022 में महंगाई 40 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। भले ही पीएम सुनक के उपायों से हाल ही में महंगाई में कमी आई है, लेकिन महंगाई डायन ने लोगों को नाराज कर दिया, जिससे ऋषि सुनक को नजर लग गई और उन्हें सत्ता से बेदखल होना पड़ा। कहा तो यहां तक जा रहा है कि ब्रिटेन में सार्वजनिक सेवाएं चरमरा गई हैं। नेशनल हेल्थ सर्विस के समक्ष फंड का संकट उतपन्न हो चुका है। आम नागरिकों को समय पर और सस्ती मेडिकल सहायता प्राप्त करना कठिन हो गया है। वहीं, आप्रवासन विशेषकर तुर्की, ईरान और अफगानिस्तान से शरण की तलाश में ब्रिटेन आने वाले लोगों ने पश्चिमी देश की चिंता बढ़ा दी है। यह देश के लिए एक गम्भीर मुद्दा है, जिसका दोष कंजर्वेटिव पार्टी के नेता ऋषि सुनक पर ही गया। ब्रिटेन की जनता के बड़े हिस्से का दो टूक मानना है कि सरकार स्वास्थ्य और रक्षा से लेकर आव्रजन और अर्थव्यवस्था तक लगभग हर बड़े मुद्दे संभालने में विफल साबित हुई है। वहीं, बीते कुछ वर्षों में कंजर्वेटिव पार्टी विभाजित होती दिखाई पड़ी, जिससे राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो गई और इसकी कीमत प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को अपनी सत्ता गंवा कर चुकानी पड़ी। समझा जाता है कि यूरोपीय संघ से बाहर होने का ब्रिटेन का फैसला कई मामलों में उसपर भारी पड़ रहा है। इसलिए इस मुद्दे पर भी पुनर्विचार की जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं, दूसरी ओर लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर भारत से नई रणनीतिक साझेदारी के पक्षधर रहे हैं, जिसका फायदा उन्हें मिला। आंकड़े बता रहे हैं कि लेबर पार्टी से भारतीय मूल के सबसे ज्यादा 17 सांसद, जबकि कंजर्वेटिव पार्टी से महज 3 सांसद और लिबरल डेमोक्रेट्स से सिर्फ 1 सांसद चुने गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय सियासी एक्सपर्ट की राय है कि कीर स्टार्मर ने भारतीय मूल के लोगों के साथ लेबर पार्टी के सम्बन्धों में सकारात्मक बदलाव की वकालत की है, जिसका सीधा फायदा उन्हें मिला। वहीं, भारतीय राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि भारतीय सत्ता पक्ष यानी भाजपा से प्रेरित होकर तत्कालीन ब्रिटिश विपक्ष लेबर पार्टी ने 400 पार का जो नारा गढ़ा, उसने उसे सत्ता तक पहुंचा दिया, जबकि इसके स्वप्नद्रष्टा पीएम नरेंद्र मोदी गठबंधन की बैशाखियों पर निर्भर हो गए। इतना ही नहीं, स्टार्मर ने लेबर पार्टी को जनादेश मिलने पर भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) समेत नई रणनीतिक साझेदारी का संकल्प जताया था, जो ब्रिटिशर्स को रास आ गई। बता दें कि लेबर पार्टी ब्रिटिश भारतीयों के साथ अपनी पार्टी के रिश्ते को नए सिरे से आकार देने में जुटी है, जो पूर्व नेता जेरेमी कॉर्बिन के कार्यकाल में कश्मीर पर कथित भारत विरोधी रुख को लेकर प्रभावित हुए थे। उल्लेखनीय है कि बीते साढ़े 4 साल तक पार्टी में जो बदलाव किए गए, उसका यही मकसद है कि एक बदली हुई लेबर पार्टी देश सेवा के लिए तैयार हो चुकी है और जनता ने भी उसे एक नया मौका दे दिया है। ऐसा इसलिए कि ब्रिटेन को कामकाजी लोगों की सेवा में फिर से लगाने को लेबर पार्टी तैयार है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि दिसंबर 2019 में करारी चुनावी हार के बाद लेबर पार्टी की किस्मत में प्रभावशाली और विजयी उलटफेर के लिए जो अद्भुत व अकल्पनीय प्रयास किये गए, उसका श्रेय अब स्वाभाविक रूप में कीर स्टार्मर के खाते में ही जायेगा। बता दें कि हाउस ऑफ कॉमन्स के 650 सीटों में से लेबर पार्टी को 412 सीटों पर जीत मिली है, जबकि कंजर्वेटिव पार्टी महज 121 सीटों पर सिमट चुकी है। हालांकि सुकून की बात यह है कि भारतवंशी सांसदों की संख्या में वहां पर लगभग दुगुना इजाफा हुआ है, जो 15 से बढ़कर 27 तक पहुंच चुके हैं।

रायपुर में निकली धूप, अब तक औसत से 25 फीसदी कम बरसा पानी

छत्तीसगढ़ के 16 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के 16 जिलों में मौसम विभाग ने भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा में झमाझम बारिश हो रही है। रायपुर और जगदलपुर में सुबह से बारिश हो रही थी, लेकिन दोपहर बाद फिर मौसम बदल गया है।

वहीं दुर्ग, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, बेमेतरा, कबीरधाम, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी,बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा ,सुकमा, कांकेर बीजापुर और नारायणपुर में मध्यम से भारी बारिश के आसार हैं।

11 जुलाई तक कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में 1 जून से 7 जुलाई तक 202.7 मिलीमीटर बारिश हुई है। जो औसत से 25त्न कम है। अब तक 271.9 मिली मीटर बारिश हो जानी चाहिए थी।

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पेंड्रा, सोनहत और कोंटा में रिकॉर्ड की गई । यहां 30 मिली मीटर बारिश हुई । गीदम, दोरनापाल, जगरगुंडा में 20 मिलीमीटर हुई। रायगढ़, मनेंद्रगढ़, मरवाही ,बरमकेला में 10 मिलीमीटर बारिश हुई है।

मौसम विभाग के मुताबिक 9 जुलाई को बस्तर दंतेवाड़ा सुकमा, दुर्ग ,बेमेतरा कबीरधाम, पेंड्रा बिलासपुर मुंगेली और कोरिया जिले में भी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। बाकी सभी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं।

गरज चमक के साथ गिर सकती है आकाशीय बिजली: मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर के पूर्वानुमान के अनुसार 11 जुलाई तक प्रदेश के कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही प्रदेश में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली भी गिर सकती है।

बिलासपुर में पिछले तीन दिनों से बारिश थम सी गई है। इसके चलते तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गर्मी और उमस ने बेहाल कर दिया गया है। रविवार को तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सरगुजा संभाग में मानसून पहुंचने के 15 दिन बाद भी झमाझम बारिश नहीं हुई। मानसून टर्फ लाइन के आगे बढ़ने के बाद सरगुजा संभाग में रविवार रात से शुरू हुई बारिश सोमवार को भी जारी रहने की उम्मीद है। कुछ इलाकों में पानी गिरा है तो कई इलाकों में अब भी मानसून की अच्छी बारिश का इंतजार है।

खैरागढ़ में सुबह बूंदाबांदी हुई। आज यहां भी अंधड़ और बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं जांजगीर चांपा जिले में सुबह से बादल छाए हैं। बीती रात हल्की बारिश हुई थी। बारिश नहीं होने से खेत सूख रहे हैं। नदी नाले में भी पानी कम है। कोरबा जिले में आज अंधड़ चलने के साथ बारिश हो सकती है। बारिश नहीं होने गर्मी और उमस बढ़ गई है।

ऐसा रहा तापमान:रविवार को छत्तीसगढ़ में सबसे अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री बलरामपुर में रिकॉर्ड किया गया वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.8 नारायणपुर में दर्ज किया गया। रायपुर में दिन का पारा 25.1 डिग्री रहा । बिलासपुर में 32.8 डिग्री, अंबिकापुर में 33.4 ,जगदलपुर में 29.6 और दुर्ग में 32.5 डिग्री टेम्परेचर रिकॉर्ड किया गया। रायपुर में आज अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

कांकेर के भानुप्रतापपुर में ग्रामीणों ने स्कूल में जड़ा ताला

बाहर जमीन पर बैठकर पढ़ते नजर आए बच्चे, नए स्कूल भवन की मांग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में स्कूल भवन की मांग को लेकर भानुप्रतापपुर के भैंसाकन्हर के ग्रामीणों ने स्कूल में ताला लगाकर धरना प्रदर्शन किया। जिससे बच्चे स्कूल के बाहर खुले में बैठकर पढ़ते नजर आए। प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा की। समझाइश के बाद धरना खत्म हुआ।

दरअसल, भैंसाकन्हर (क) के ग्रामीणों का आरोप है कि, लंबे समय से स्कूल भवन की मांग की जा रही है। लेकिन शासन-प्रशासन उनकी मांगे नहीं सुन रही है। हाईस्कूल के बच्चों के पास पढ़ाई करने के लिए उनका खुद का स्कूल भवन नहीं है। बच्चे मिडिल स्कूल में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर है।

जिस कारण उन्होंने सोमवार को स्कूल में ताला लगाकर प्रदर्शन किया। वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों ने सूचना लगते ही ग्रामीणों को आश्वासन देकर स्कूल का ताला खुलवाया। खंड शिक्षा अधिकारी सदेसिंह कोमरे का कहना है कि, शासन स्तर पर स्कूल भवन निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा जा चुका है। जैसे ही स्वीकृति मिलेगी स्कूल भवन का निर्माण किया जाएगा।

4 महीने में भवन निर्माण नहीं होने पर करेंगे आंदोलन: ग्रामीणों ने बताया कि, साल 1996 से माध्यमिक शाला संचालित की जा रही है। साल 2016-17 से हाई स्कूल शुरू किया गया है। लेकिन अब तक भवन नहीं बन पाया है। भवन को लेकर पूर्व सरकार के भेंट मुलाकात और जन चौपाल कार्यक्रम में जाकर भी मांग किया गया, लेकिन अब तक भवन नहीं बन पाया है।

हमारी मांग को अनसुना किया जा रहा है। जिस कारण सभी ग्रामीणों ने आज तय किया कि ताला लगाया जाए। अगर 4 महीने में मांगे पूरी नहीं हुई, तो चक्काजाम कर सड़क की लड़ाई लड़कर आंदोलन करेंगे।

छत्तीसगढ़ में 5000 पटवारी हड़ताल पर, मंत्री को लिखा पत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में करीब 5000 पटवारी सोमवार से काम बंद कर हड़ताल पर चले गए हैं। इसके चलते प्रदेश भर में जमीन का नक्शा, गिरदावरी रिपोर्ट, जमाबंदी, राजस्व, फसल नुकसान का सर्वे, आय, जाति और निवास प्रमाणपत्र बनाने का काम ठप हो गया है।

नवा रायपुर के धरना स्थल पर पटवारियों ने अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया है। उनकी मांग है कि सरकार ऑनलाइन काम करने के लिए सुविधा उपलब्ध कराए। पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष भागवत कश्यप ने दैनिक भास्कर से कहा कि, हमारी मांगों पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। हमने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को पत्र भेजा है।

दरअसल, पटवारी लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि उन्हें कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, स्कैनर और इंटरनेट की सुविधा दी जाए। पटवारी फिलहाल अपने संसाधन से ऑनलाइन काम कर रहे हैं। इसकी वजह से उन पर अतिरिक्त खर्च का भार आ रहा है। पहले भी उन्होंने राजस्व सचिव और भू-अभिलेख के संचालक को ज्ञापन दिया था, पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को भेजे पत्र में पटवारियों ने अपनी 32 सूत्रीय मांग की जानकारी दी थी। बताया था कि, भुइंया सॉफ्टवेयर, जो छत्तीसगढ़ में जमीन के रिकॉर्ड मेंटेन करने का एक डिजिटल सॉफ्टवेयर है।वहीं किसान और जमीन के मालिकों को बेवजह कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। साथ ही 8 जुलाई से आंदोलन का अल्टीमेटम भी दिया था।

राजस्व मंत्री से पटवारियों ने मांग की थी कि, किसानों के हित में सॉफ्टवेयर में आवश्यक सुधार करें। सॉफ्टवेयर की परेशानी के लिए आम लोग पटवारी को जिम्मेदार मान रहे हैं। सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाए और दोषी पर कार्रवाई की जाए। पटवारी को प्रताड़ित करने की बजाय पटवारी का पद ही समाप्त कर दिया जाए। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने 6 जुलाई को पटवारियों के काम-काज और राजस्व विभाग के विशेष अभियान का ऐलान किया था। मंत्री ने कहा था कि राजस्व प्रकरणों का पंजीयन और पेशी की तारीख अपडेट नहीं करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

फौती, नामांतरण और बटवारा जैसे प्रकरणों के निराकरण के लिए गांवों में शिविर लगेंगे। इनमें पटवारियों का अहम रोल था। यह शिविर हर जिले में 6 से 20 जुलाई तक आयोजित करने की तैयारी थी। प्रदेश में करीब 5 हजार पटवारी हैं। सभी काम बंद कर चुके हैं।

लालटेन लेकर पहुंचे पूर्व सीएम, कटौती और दर में बढ़ोतरी से लोग परेशान

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने बिजली में कटौती और बिल में बढ़ोतरी को लेकर सोमवार को प्रदेशस्तरीय धरना दिया।पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि बिजली बिल देखकर लोगों को 440 वोल्ट का झटका लग रहा है। अघोषित बिजली कटौती और दरों में बढ़ोतरी से जनता परेशान है।

दीपक बैज ने कहा कि- कांग्रेस कार्यकाल में 1 पैसा बिजली बिल में नहीं बढ़ाया गया। वहीं रायपुर के बिजली दफ्तर के सामने बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर साय सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। दुर्ग के पॉवर हाउस में भी कांग्रेसी धरने पर बैठे। बिलासपुर के जरहाभाठा स्थित राजीव गांधी चौक, रायगढ़ के रामनिवास टॉकीज के पास भी प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस पार्टी में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्रियों समेत तमाम बड़े नेता बिजली कटौती पर सवाल उठा रहे हैं। बघेल लगातार अपने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश की बिजली व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि साय सरकार में सांय-सांय बिजली कटौती हो रही है।

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल पंप में लगी भीषण आग, कोई जनहानि नहीं

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में मुस्कान पेट्रोल पंप में खड़ी 4 गाड़ियों में भीषण आग लग गई। पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने अपने स्तर पर अग्नि शामक यंत्र, रेत और पानी से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तेज हवा के कारण आग और फैल गई। मिली जानकारी के मुताबिक आग कार से स्कूटी, मालवाहक ऑटो और क्रेन तक जा पहुंची। गाड़ियां जलकर राख हो गई हैं। पूरा मामला कुसमुंडा क्षेत्र के इमली छापर का है।

घटना की सूचना पर कुसमुंडा थाना प्रभारी रूपक शर्मा, एस आई राकेश गुप्ता,आरक्षक लेखराम धीरहे मौके पर पहुंचे। साथ ही स्श्वष्टर कुसमुंडा की दमकल विभाग के साथ कोरबा दमकल विभाग को जानकारी दी गई।बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड की टीम महज एक किलोमीटर की दूरी पर रहती है, फिर भी सूचना मिलने के एक घंटे देरी से पहुंची। तब तक पेट्रोल पंप में उठी आग की चिंगारियों ने एक एक कर चार गाड़ियों को जलाकर स्वाहा कर दिया।

एसईसीएल और कोरबा फायर ब्रिगेड की टीम ने पहुंचते ही जमकर पानी की बरसात की। कुछ देर बार आग पर काबू पा लिया गया। डीजल टंकी और कार्यालय तक आग नहीं पहुंच पाई थी। वाहनों के नुकसान के अलावा किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है।

पुलिस से मिली जानकार के मुताबिक आग लगने की वजह प्रथम दृष्ट्या पेट्रोल टंकी परिसर में खड़ी डीजी वाहन में शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। कुसमुंडा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोरबा में ससुर ने झाड़-फूंक के बहाने बहू से किया दुष्कर्म

पति भी चुप रहा, मायके आकर बताई आपबीती

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बहू से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ससुर झाड़-फूंक के नाम पर डरा धमका कर बहू का शारीरिक शोषण कर रहा था। बहू की शिकायत पर आरोपी ससुर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। बहू अपनी मां के साथ पुलिस थाना पहुंची और अपनी आपबीती पुलिस को बताई। पीड़िता का कहना है कि शादी के बाद से ही उसपर ससुर की बुरी नजर थी। शादी के बाद उसके दो बच्चे हुए। पारिवारिक जीवन अच्छा चल रहा था। लेकिन इसके बाद ससुर जबरदस्ती डरा धमकाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने लगा। बताया जा रहा है कि आरोपी ससुर बैगा है और झाड़-फूंक का काम करता था। तबीयत खराब होने पर बहू का भी झाड़-फूंक से इलाज करना शुरू किया। जिसके बाद झाड़-फूंक की आड़ में डरा धमका कर दुष्कर्म किया।

इसके बाद ससुर ने बहू को परेशान करना शुरू कर दिया और धमकाकर कई बार रेप की वारदात को अंजाम दिया। इसकी सूचना महिला ने पति को दी, लेकिन पति भी अपने पिता के खिलाफ कुछ नहीं बोल पाया। जिसके बाद बहू अपने मायके चली गई।

बहू अपनी मां के साथ उरगा थाना पहुंची। महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

एएसपी यूबीएस चौहान ने बताया कि आरोपी झाड़-फूंक के नाम पर डरा धमका कर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे रहा था। आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

फैक्ट्री में मजदूर की मौत, परिजनों पर लाठीचार्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित हथखोज इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री के अंदर मजदूर की मौत मामले में देर रात जमकर बवाल हुआ। मृतक के परिजन शव रखकर फैक्ट्री के बाहर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने शव को ले जाने की कोशिश की तो परिजनों ने विरोध किया। इस पर पुलिस ने उनपर जमकर लाठियां भांज दी। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कंपनी संचालक से मिलीभगत का आरोप लगाया है।

रविंद्र वर्मा नाम का युवक हथखोज के भिलाई आयरन स्टील प्रोसेसिंग कंपनी में मजदूर था। फैक्ट्री में रविवार दोपहर उसके ऊपर लोहे की भारी चीज गिरी। सिर फटने से उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया और 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी।

फैक्ट्री संचालक ने मुआवजा देने से किया मना: फैक्ट्री संचालक ने जब 50 लाख मुआवजा देने से मना किया तो पीड़ित पक्ष फैक्ट्री के बाहर धरने पर बैठ गया। धीरे-धीरे उनके साथ कई सामाजिक और राजनीतिक संगठन भी जुड़ गए। मामला बढ़ता देख जामुल, छावनी सहित कई थानों से पुलिस बल को बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को काफी समझाया, लेकिन वो नहीं माने।

इसके बाद रात होने पर पुरानी भिलाई थाना प्रभारी महेश ध्रुव ने शव को मॉर्चुरी भिजवाने की बात कही, फिर भी परिजन नहीं माने, उन्होंने कहा कि जब तक मुआवजे नहीं मिलता वो लोग शव को नहीं हटाएंगे।

पुलिस के जवानों ने जमकर लाठियां भांजी: पुलिस ने एंबुलेंस में रखे शव को ले जाने की कोशिश की तो कुछ लोग एंबुलेंस के आगे लेट गए। इस पर पुलिस के जवानों ने उन पर जमकर लाठी भांजी। पुलिस के लाठी चार्ज के बाद पूरी भीड़ इधर उधर हो गई।

महिलाओं पर लाठी भांजने का लगा आरोप: धरने पर बड़ी संख्या में महिलाएं भी बैठी थीं। उनका आरोप है कि अपनी मांग को रखना कौन सा पाप है। वो लोग शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन कर रहे थे। उनका धरना तोड़ने के लिए पुलिस ने उन पर बल प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन फैक्ट्री संचालक से मिला हुआ है। उसके कहने पर उन्होंने महिलाओं पर भी लाठी भांजी जो गलत है।

इस बारे में टीआई महेश ध्रुव का कहना है कि उनके पास महिला बल नहीं था। इसलिए महिलाओं से हाथ जोड़कर घर जाने का अनुरोध किया गया था। गाड़ी के सामने लेटने वाले लोगों पर हल्का बल प्रयोग किया गया है। महिला और अन्य किसी पर भी पुलिस ने लाठी नहीं भांजी है।

पूरी रात बना रहा तनाव का माहौल: पुलिस के लाठी चार्ज करते ही पूरी भीड़ इधर उधर हो गई। पुलिस वालों ने एंबुलेंस चालक को वहां से शव लेकर लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला स्थित मॉर्चुरी भेजा। शव को फ्रीजर में रखवा दिया गया है। शव ले जाने के बाद भी पीड़ित पक्ष फैक्ट्री के बाहर धरने पर बैठा है। देर रात तक धरना प्रदर्शन चलता रहा। माहौल तनाव पूर्ण बना है।

सिर फट जाने से मौके पर हुई मौत: थाना प्रभारी महेश ध्रुव ने बताया कि रविवार दोपहर काम के दौरान रविंद्र वर्मा उस तरफ बाथरूम करने चला गया, जहां हैवी लिफ्टिंग का काम चल रहा था। जब रविंद्र बाथरूम करके लौटा तो मना करने के बाद भी वो उसी तरफ आया और अचानक फिसल कर गिर गया।

इसी दौरान ऊपर लिफ्ट के पास से एक लोहे का गोल पहियानुमा चीज उसके सिर पर गिरी। इससे उसका सिर फट गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

कंपनी संचालक धारिया जाम का कहना है कि वो मृतक के दोनों बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य का खर्च उठाएंगे। उसकी प%ी को नौकरी दे देंगे। साथ ही दोनों बच्चों के नाम 3-3 लाख रुपए की एफडी कर देंगे। इसके अलावा उन्हें इंश्योरेंस से जो मिल जाएगा वो मिलेगा। इसके बाद भी पीड़ित परिवार 50 लाख रुपए मुआवजा को लेकर अड़ा हुआ है।

शराबी अधीक्षक ने बच्चों को आधीरात हॉस्टल से निकाला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के शासकीय छात्रावास के अधीक्षक नरसिंह मलार्ज पर शराब के नशे में छात्रों से मारपीट करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि बीते रात बच्चे खाना खा रहे थे, उस वक्त अधीक्षक हॉस्टल पहुंचे। बच्चों से मारपीट कर उन्हें हॉस्टल से बाहर निकाल दिया।

जानकारी के अनुसार फरसाबहार विकासखंड के ग्राम पंचायत डुमरकोला के प्री मैट्रिक छात्रावास अधीक्षक ने शराब के नशे में खूब हंगामा किया। बच्चों को गालियां देकर मारपीट भी की। बताया जा रहा है कि बच्चे 10 से 12 साल के हैं। रात के अंधेरे में रोते हुए पैदल अपने-अपने घर पहुंचे, तब जाकर परिजनों को जानकारी मिली।

घटना के बाद कुछ बच्चों के अभिभावक और ग्रामीण एकत्रित हुए। उन्होंने अधीक्षक के खिलाफ जमकर हंगामा किया। बच्चों के परिजनों का कहना है कि छात्रावास अधीक्षक बच्चों से नशे की हालत में मारपीट करता है। गांव के लोगों ने अधीक्षक का वीडियो भी बनाया है। सभी के सामने शराब पीने की बात कह रहा है।

कठुआ में सेना के वाहन पर आतंकी हमला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सोमवार (8 जुलाई) को आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला किया। इसमें दो जवान घायल हो गए। घटना लोहि मल्हार ब्लॉक के मचहेड़ी क्षेत्र के बडनोटा गांव की है। मचहेड़ी में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। आतंकियों ने सेना पर यह हमला तब किया जब पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम मचहेड़ी क्षेत्र में तलाशी ले रही थी। यह क्षेत्र भारतीय सेना के 9 कोर के अंतर्गत आता है। सर्च के दौरान आतंकियों ने उन पर गोलीबारी की। इलाके में और अधिक सुरक्षा बल भेजा गया है। यह दो महीने में सेना के वाहन पर दूसरा आतंकी हमला है। इससे पहले 4 मई को पुंछ के शाहसितार इलाके में एयरफोर्स के काफिले पर हमला हुआ था, जिसमें कॉर्पोरल विक्की पहाड़े शहीद हो गए थे और 4 अन्य जवान घायल हो गए थे। आतंकियों ने सुरक्षाबलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं। वहीं दो दिन में यह सेना पर दूसरा हमला है। रविवार (7 जुलाई) की सुबह आतंकियों ने राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में एक आर्मी कैंप पर हमला किया था। इसमें एक जवान घायल हो गया। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकी घने जंगल के रास्ते भाग गए। सेना और पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

10 जुलाई के बाद रफ्तार पकड़ेगा मानसून

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मानसून के दूसरे हफ्ते में प्रदेश भर में फिलहाल सामान्य बारिश दर्ज की जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला का अनुमान है कि 10 जुलाई के बाद हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर मानसून रफ्तार पकड़ेगा। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की जा सकती है। वहीं बीते 24 घंटे में प्रदेश में सामान्य बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा बारिश के बाद प्रदेश में फिलहाल तापमान भी सामान्य चल रहे है। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान सामान्य बारिश दर्ज की गई है। हिमाचल प्रदेश के जिला हमीरपुर, बिलासपुर, शिमला, सिरमौर और चंबा जिला में सामान्य से मध्यम बारिश दर्ज की गई है, वहीं बिलासपुर के मडगांव में भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक संदीप शर्मा ने बताया कि 10 जुलाई तक प्रदेश में सामान्य से मध्यम स्तर की बारिश होने की संभावना है, वहीं 10 जुलाई के बाद 3 दिनों तक प्रदेश में बारिश बढ़ने का पूर्वानुमान है। इस दौरान प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है।

कनाडा: ब्रिटिश कोलंबिया में 5 पंजाबी छात्राओं को मिली 1.95 करोड़ की स्कॉलरशिप

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में विभिन्न स्कूलों से स्नातक करने वाली 5 पंजाबी छात्राओं को शैक्षिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संस्थानों द्वारा 3 लाख 22 हजार डॉलर यानी लगभग 1 करोड़ 95 लाख रुपए का वजीफा दिया गया है। खालसा सेकेंडरी स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा हरनूर कौर धालीवाल को यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया प्रेसिडेंशियल स्कॉलर्स अवार्ड के तहत 80,000, साइमन फ्रेजर यूनिवर्सिटी से 40,000, बीसी एक्सीलेंस से 5,000, सिख हेरिटेज से 1,500 और डिस्ट्रिक्ट अथॉरिटी से 1,250 डॉलर मिले हैं , जिया गिल, गेविन रॉय और तमन्ना कौर गिल को 1 लाख 80 हजार डॉलर की स्कॉलरशिप दी गई है। तमन्ना कौर गिल को यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया प्रेसिडेंशियल स्कॉलर्स अवार्ड के तहत 15 हजार डॉलर की स्कॉलरशिप भी मिली है। जिया गिल और तमन्ना गिल सितंबर से बी.एससी. और एनी खोसा दंत चिकित्सा का अध्ययन शुरू करेंगी, जबकि रवीन रॉय खेल या फैशन के रचनात्मक निदेशक के रूप में काम करना चाहती हैं।

चीनी सेना ने लद्दाख के पास हथियार इकट्ठा किए

सैटेलाइट तस्वीर से खुलासा, बंकर बनाए, इलाके में बख्तरबंद गाड़ियां भी मौजूद

चीन (एजेंसी)। चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास बड़े पैमाने पर हथियार इकट्ठा कर रही है। यूएस फर्म ब्लैकस्काई ने इसकी सैटेलाइट इमेज जारी की है। ब्लैकस्काई का दावा है कि इन इमेज में चीनी सैनिकों के बंकर दिखाई दे रहे हैं। इन्हें हथियार और ईंधन के भंडारण के लिए बनाया गया है।

ये बंकर 2021-22 के दौरान बनाए गए हैं। इनमें ईंधन और हथियारों को छिपाया गया है। इस जगह पर बख्तरबंद गाड़ियां भी देखी गई हैं।

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पैंगोंग झील के पास सिरजैप में चीनी सैनिकों का बेस है। यहां चीनी सैनिकों का मुख्यालय भी है। इस जगह पर भारत अपना दावा करता आया है। ये जगह ए्रष्ट से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है। 5 मई 2020 को चीनी सैनिकों और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी। उस वक्त ये पूरा इलाका खाली था। यहां न कोई गाड़ी थी, न ही कोई चौकी। चीनी सेना ने इसके बाद इलाके में धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ाईं।

ब्लैकस्काई ने जो तस्वीर ली है वह 30 मई 2024 की है। इसमें एक भूमिगत बंकर साफ दिख रहा है। इस बंकर में 5 दरवाजे हैं। बंकर

को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसे हवाई हमले से कोई नुकसान न हो।

ब्लैकस्काई के एक विशेषज्ञ ने नाम उजागर न करने की शर्त बताया कि इस बेस में कई बख्तरबंद गाड़ियों को छिपाया जा सकता है, परीक्षण रेंज, ईंधन और गोला-बारूद को इकट्ठा करने के लिए भी यहां जगह है। चीनी सेना ने इस बंकर तक पहुंचने के लिए सड़कों और खाइयों का नेटवर्क बनाया है।

सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया

ये बेस गलवान घाटी से 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है, जहां जून 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान 20 भारतीय सैनिकों की जान चली गई थी।

पूर्वी लद्दाख में नए खुलासे पर अब तक भारत सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। एक पूर्व भारतीय सेना के अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि आज के समय में उपग्रहों या हवाई निगरानी प्लेटफॉर्मों का उपयोग करके सब कुछ सटीक रूप से पता लगाया जा सकता है। बेहतर सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए सुरंग बनाना ही एकमात्र उपाय है।

इससे पहले तिब्बत के पास तैनात किए थे लड़ाकू विमान: इस साल मई में चीन ने उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम के समीप तिब्बत में शिगात्से एयरबेस पर अत्याधुनिक छ्व20 स्टेल्थ लड़ाकू विमानों को तैनात किया था। 27 मई को जारी सैटेलाइट तस्वीरों से इसका खुलासा हुआ था। ये इलाका भारत के पूर्वी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा से केवल 150 किलोमीटर दूर है।

केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट का ईडी को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हफ्ते में 4 बार वकीलों से मिलने की मांग की याचिका पर सोमवार (8 जुलाई) को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने मामले को लेकर तिहाड़ अधिकारियों और ईडी को नोटिस जारी किया है। केजरीवाल ने याचिका में कहा था कि उनपर देशभर में 35 अलग-अलग मामले चल रहे हैं। फिलहाल उन्हें हफ्ते में 2 ही बार वकीलों से मिलने की अनुमति है। उन्हें कम से कम 4 बार वकीलों से मिलने की इजाजत मिलनी चाहिए। केजरीवाल ने जेल में 2 अतिरिक्त मीटिंग की याचिका पहले ट्रायल कोर्ट में लगाई थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि ये 2 मीटिंग वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए भी कराई जा सकती है। हालांकि, ट्रायल कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने याचिका खारिज करते हुए कहा था- इस तरह की याचिका पहले भी लगाई जा चुकी है। इसके बाद केजरीवाल ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई, जिस पर जस्टिस नीना बंसल ने श्चष्ठ और जेल अधिकारियों को 7 दिन में जवाब देने का आदेश सुनाया है। मामले की अगली सुनवाई अब 15 जुलाई को होगी। सीबीआई ने 25 जून को रात 9 बजे तिहाड़ जाकर शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर केजरीवाल से पूछताछ की थी। इसके बाद 26 जून को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी ने 21 मार्च को उन्हें गिरफ्तार किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-एनटीए पेपर लीक वाले सेंटर्स की जानकारी दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट-2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार, 8 जुलाई को 2 घंटे 20 मिनट तक सुनवाई हुई। अदालत ने एनटीए को गड़बड़ी से फायदा उठाने वाले कैंडिडेट्स की जानकारी देने और सीबीआई को जांच का अब तक का अपडेट देने को कहा है। वहीं, केंद्र सरकार से एनटीए में सुधार के लिए बनी एक्सपर्ट कमेटी की जानकारी मांगी है। इसके अलावा री-एग्जाम की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं से अधिकतम 10 पेज की कंसोलिडेटड रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि सभी बुधवार

शाम 5 बजे तक अपने जवाब सौंपें। मामले की अगली सुनवाई अब 11 जुलाई को होगी। एक डिस्क्लोजर देना चाहिए कि लाभार्थियों की और सेंटर्स या शहरों की पहचान के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए, उसका प्रोसेस क्या अपनाई। इसके अलावा, अब तक क्या कार्रवाई की। अब तक लाभार्थी के रूप में पहचाने गए छात्रों की संख्या कितनी है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि एजेंसी नीट-यूजी पेपर लीक मामले में अब तक हुई जांच की एक रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम आपको एक दिन का समय देंगे। हम चाहते हैं कि सभी याचिकाकर्ताओं के वकील, जो रीटेस्ट की मांग कर रहे हैं, बुधवार को हमें एक कंसोलिडेटेड सेट दें, जो 10 पेज से अधिक नहीं हो।कोर्ट 38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रहा है।

राहुल गांधी मणिपुर गवर्नर से मिलने राजभवन पहुंचे

इंफाल/गुवाहाटी (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मणिपुर की गवर्नर अनुसुइया उइके से मिलने सोमवार शाम 5 बजे करीब इंफाल स्थित राजभवन पहुंचे। यहां वे राज्य में जारी हिंसा को लेकर चर्चा करेंगे। राहुल आज असम और मणिपुर के दौरे पर हैं। उन्होंने दोपहर 3 बजे के करीब मणिपुर के चुराचांदपुर में मंडप तुईबोंग रिलीफ कैंप में मणिपुर हिंसा के पीड़ितों के मुलाकात की थी। इससे पहले राहुल दोपहर 12 बजे जिरिबाम पहुंचे थे। यहां हायर सेकेंडरी स्कूल में बनाए गए राहत शिविर में मौजूद लोगों से मुलाकात की थी। इससे पहले सुबह 10 बजे पहले असम के सिलचर पहुंचे थे। उन्होंने फुलेरताल के थलाई इन यूथ केयर सेंटर में राहत शिविर का दौरा किया। यह इलाका हिंसा प्रभावित मणिपुर से लगा हुआ है। राहुल के मणिपुर आने से पहले रात 3ः30 बजे जिरिबाम के फिटोल गांव में उपद्रवियों ने सुरक्षाबलों के कैस्पिर वैन (एंटी लैंड माइन वैन) पर फायरिंग की थी। इसमें एक फायर ब्रिगेड को भी निशाना बनाया गया था।

सुरक्षाबलों ने सर्चिंग के बाद 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय हैं- मैतेई, नगा और कुकी। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। नगा-कुकी ईसाई धर्म को मानते हैं। स्त्र वर्ग में आते हैं। इनकी आबादी करीब 50 प्रतिशत है। राज्य के करीब 10 प्रतिशत इलाके में फैली इंफाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल ही है। नगा-कुकी की आबादी करीब 34 प्रतिशत है। ये लोग राज्य के करीब 90त्न इलाके में रहते हैं।

सिसोदिया की जमानत संबंधी नयी याचिका सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की उस नयी याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा, जिसमें कथित आबकारी नीति घोटाला मामलों में उनकी जमानत याचिका पर फिर से सुनवाई करने का अनुरोध किया गया है। न्यायालय ने मंगलवार को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर विचार करने से चार जून को इनकार कर दिया था। सिसोदिया के वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि मामलों में जमानत का अनुरोध करने वाली उस याचिका पर फिर से सुनवाई किए जाने की अर्जी दायर की गई है जिसका पहले निस्तारण किया जा चुका है। याचिका में कहा गया है कि जांच एजेंसियों की ओर से पेश कानून अधिकारी ने पीठ को बताया था कि कथित आबकारी नीति घोटाले के मुख्य मामले और इससे जुड़े धनशोधन मामले में आरोप पत्र और अभियोजन की शिकायत तीन जुलाई, 2024 को या उससे पहले दायर की जाएगी।

भाजपा जनता को उसके लोकतांत्रिक हक का इस्तेमाल करने से नहीं रोक सकती-गहलोत

राजस्थान (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार लोगों को जयपुर में धरना प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस तरह की अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली ना अपनाए एवं जनता को उसके लोकतांत्रिक हक का इस्तेमाल करने दे। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा ''कई युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने मेरे कार्यालय में आकर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से बताया है कि वे बेरोजगारी भत्ता, रोजगार, राजीव गांधी युवा मित्र बहाली, भर्तियों की घोषणा जैसे मुद्दों पर जयपुर में धरना प्रदर्शन करना चाहते हैं परन्तु प्रशासन उन्हें सरकार के दबाव में अनुमति नहीं दे रहा है। गहलोत ने कहा कि धरना प्रदर्शन के लिए आरक्षित शहीद स्मारक से भी उन्हें बार-बार बल-प्रयोग कर भगा दिया जाता है जो कि उचित नहीं है। उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र में अपने हक के लिए शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन जनता का अधिकार है। उनकी बात सुनना सरकार का कर्तव्य है। मैं सरकार एवं पुलिस प्रशासन से आग्रह करता हूं कि इस तरह की अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली ना अपनाएं एवं जनता को उनका लोकतांत्रिक हक इस्तेमाल करने दें।

प्रधानमंत्री को कुछ घंटों के लिए भी मणिपुर जाने का समय नहीं मिला-कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मणिपुर दौरे की पृष्ठभूमि में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को कुछ घंटों के लिए भी मणिपुर जाने का समय नहीं मिला और न ही उन्होंने इसकी इच्छा जताई। कांग्रेस महासचिव

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर पोस्ट किया, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री आज मॉस्को जा रहे हैं। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता असम और मणिपुर जा रहे हैं। नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री के लिए ढोल पीटने वालों ने इस बात को लेकर बड़े-बड़े दावे किए हैं कि उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को कुछ समय के लिए रुकवा दिया था। उनकी मॉस्को की इस यात्रा के दौरान संभवतः और भी विचित्र दावे किए जाएंगे। रमेश ने कहा कि 14 महीने पहले राज्य में भड़की हिंसा के बाद से यह राहुल गांधी की मणिपुर की तीसरी यात्रा है। उन्होंने कहा, तीन मई 2023 को राज्य में गंभीर संकट उत्पन्न होने के बाद नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को कुछ घंटों के लिए भी मणिपुर जाने का समय नहीं मिला और न ही उन्होंने इसकी इच्छा जताई।

चीनी सेना ने लद्दाख के पास हथियार इकट्ठा किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास बड़े पैमाने पर हथियार इकट्ठा कर रही है। यूएस फर्म ब्लैकस्काई ने इसकी सैटेलाइट इमेज जारी की है। ब्लैकस्काई का दावा है कि इन इमेज में चीनी सैनिकों के बंकर दिखाई दे रहे हैं। इन्हें हथियार और ईंधन के भंडारण के लिए बनाया गया है। ये बंकर 2021-22 के दौरान बनाए गए हैं। इनमें ईंधन और हथियारों को छिपाया गया है। इस जगह पर बख्तरबंद गाड़ियां भी देखी गई हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पैंगोंग झील के पास सिरजैप में चीनी सैनिकों का बेस है। यहां चीनी सैनिकों का मुख्यालय भी है। इस जगह पर भारत अपना दावा करता आया है। ये जगह एलएसी से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है। 5 मई 2020 को चीनी सैनिकों और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी। उस वक्त ये पूरा इलाका खाली था। यहां न कोई गाड़ी थी, न ही कोई चौकी। चीनी सेना ने इसके बाद इलाके में धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ाईं। ब्लैकस्काई ने जो तस्वीर ली है वह 30 मई 2024 की है। इसमें एक भूमिगत बंकर साफ दिख रहा है। इस बंकर में 5 दरवाजे हैं। बंकर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसे हवाई हमले से कोई नुकसान न हो। ब्लैकस्काई के एक विशेषज्ञ ने नाम उजागर न करने की शर्त बताया कि इस बेस में कई बख्तरबंद गाड़ियों को छिपाया जा सकता है, परीक्षण रेंज, ईंधन और गोला-बारूद को इकट्ठा करने के लिए भी यहां जगह है। चीनी सेना ने इस बंकर तक पहुंचने के लिए सड़कों और खाइयों का नेटवर्क बनाया है। ये बेस गलवान घाटी से 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है,

मुंबई में भारी बारिश, स्कूलों में छुट्टी, 27 फ्लाइट डायवर्ट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में सोमवार सुबह भारी बारिश हुई, जिससे प्रमुख सड़कों और निचले इलाकों में बड़े पैमाने पर जलजमाव हो गया, जिससे पूरे शहर में भारी यातायात जाम हो गया और शहर के निवासियों का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

कुछ ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी गईं और मुंबई हवाई अड्डे ने 27 उड़ानों को अन्य हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर में रात एक बजे से सुबह सात बजे तक छह घंटों में विभिन्न स्थानों पर 300

मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। अंधेरी, कुर्ला, भांडुप, किंग्स सर्कल, विले पार्ले और दादर सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जल जमाव की सूचना मिली है। लगातार बारिश के कारण नालों में पानी भर गया, जिससे भारत की वित्तीय राजधानी के कई हिस्सों में यातायात ठप हो गया। स्कूल बंदः बीएमसी ने नागरिक निकाय के अधिकार क्षेत्र के तहत सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों के लिए आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की। कक्षाओं के दोपहर के सत्र पर निर्णय बाद में घोषित किया जाएगा।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर ट्रक में घुसी रोडवेज बस

शाहपुरा (एजेंसी)। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर ट्रक में रोडवेज बस जा घुसी। बस में सवार पति-पत्नी व बेटे की मौत हो गई, जबकि 20 सवारियां घायल हैं। इनमें से 11 लोगों की हालत गंभीर है। एक यात्री (मृतक) का पैर कटकर अलग हो गया। हादसा सोमवार सुबह करीब 4 बजे जयपुर के शाहपुरा में अलवर कट के पास हुआ। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर शाहपुरा थाने के हेड कॉन्स्टेबल सुभाषचंद चाय पी रहे थे। हादसा होते ही वे मौके पर पहुंचे। सुभाष ने बताया- रोडवेज बस आगे चल रहे सीमेंट से भरे ट्रक में पीछे से घुसी थी। आसपास के लोगों के साथ मिलकर बस यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास किया गया। परंतु सफलता नहीं मिली। इसके बाद क्रेन मंगवाया गया, तब जाकर यात्रियों को बाहर निकाला जा सका। घायलों को शाहपुरा हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से 11 लोगों को एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है।

हेड कॉन्स्टेबल सुभाषचंद ने बताया- बस दिल्ली से जयपुर जा रही थी। एक यात्री प्रीतम अग्रवाल का पैर कटकर अलग हो गया। ट्रक से सीमेंट के कट्टे उछलकर बस में गिरे। कट्टे के नीचे दबा पैर मिला। दो मोबाइल भी मिले हैं। शिनाख्त की कोशिश कर रहे हैं। हादसे के वक्त अधिकतर यात्री नींद में थे। क्रेन ड्राइवर कैलाश ने बताया- बस का ड्राइवर साइड का हिस्सा आगे से पीछे तक क्षतिग्रस्त हो गया।

क्रेन से बस को हटाया और फिर लोगों को निकाला। लोग बेहोश पड़े थे। लगता है ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ है।

हेमंत कैबिनेट में चंपाई-रामेश्वर समेत 11 ने ली शपथ

रांची (एजेंसी)। हेमंत सोरेन की सरकार ने सदन में विश्वासमत हासिल कर लिया है। सरकार के पक्ष में 45 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में 0 वोट डाले गए। सदन में बहुमत साबित करने के बाद हेमंत कैबिनेट का विस्तार किया गया। नये मंत्री के रूप में सबसे पहले चंपाई सोरेन ने शपथ ली। इसके बाद रामेश्वर उरांव, दीपिका पांडेय सिंह, बैजनाथ राम और इरफान अंसारी मंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही दीपक बरुआ, बन्ना गुप्ता, सत्यानंद भोक्ता, मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल हसन और बेबी देवी ने भी मंत्री पद की शपथ ली। हालांकि, हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन को कैबिनेट में जगह नहीं मिली है। इससे पहले, सदन में विश्वास मत पर चर्चा के दौरान जैसे ही सीएम हेमंत सोरेन बोलने के लिए उठे, वैसे ही बीजेपी विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। सीएम ने कहा कि मुझे सदन में फिर से देखकर विपक्ष को कैसा

लग रहा होगा, मैं समझ सकता हूं। साथ ही कहा कि सदन में विपक्ष के जितने भी विधायक दिख रहे हैं, उनमें से आधे भी अगली बार दिख गए तो बड़ी बात होगी। सीएम ने चंपाई सोरेन को 5 महीने सरकार चलाने के लिए बधाई दी। बता दें कि 28 जून को हेमंत सोरेन जेल से रिहा हुए थे। 3 जुलाई को चंपाई सोरेन ने इस्तीफा दिया था और हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। 5 जुलाई को हेमंत सोरेन ने तीसरी बार सीएम पद की शपथ ली थी। सदन में विश्वासमत पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने बेरोजगारी और अपराध के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि पहले कैबिनेट का विस्तार होना चाहिए था, फिर विश्वास मत का प्रस्ताव आना चाहिए। आगे कहा कि सरकार जिस रोजगार के दावे को लेकर सत्ता में आई, उसे पूरा नहीं किया गया। वहीं पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने विधानसभा में कहा कि लोकतंत्र में पार्टी और गठबंधन के निर्णय को मानना पड़ता है। मैंने 5 महीने तक सरकार चलाई। मुझे लगता है कि प्रदेश के विकास के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले बीजेपी विधायकों प्रदर्शन किया। सदन के बाहर भाजपा के विधायक विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी करते नजर आए।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पूर्व जयसूर्या श्रीलंका के अंतरिम कोच नियुक्त

कोलंबो(एजेंसी)।श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या को इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला से पहले टीम का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया है। भारतीय टीम 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैचों के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। आक्रामक बल्लेबाजी के साथ स्पिन गेंदबाजी करने वाले 55 साल के वामहस्त खिलाड़ी जयसूर्या इंग्लैंड के क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे। सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप में टीम टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गये इस विश्व कप में टीम लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पायी थी।'डेली मिरर' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार जयसूर्या श्रीलंका के इंग्लैंड टेस्ट दौरे की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। जयसूर्या इससे पहले टीम के मुख्य चयनकर्ता भी रह चुके हैं। अपने समय के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक जयसूर्या टी20 विश्व कप के दौरान टीम के सलाहकार थे। जयसूर्या ने 1991 से 2007 के बीच श्रीलंका के लिए 110 टेस्ट में 6973 रन बनाये। इस दौरान उनका औसत 40.07 का रहा है और उन्होंने 14 शतक और 31 अर्धशतक जड़े। उन्होंने 445 एकदिवसीय में 28 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से 13,430 रन बनाये हैं।

जयसूर्या ने टेस्ट में 98 जबकि एकदिवसीय में 323 विकेट भी चटकाए हैं।

अभय ने एशियाई डबल्स स्क्वाश चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते

जोहोर (एजेंसी)। प्रतिभाशाली स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने रविवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई डबल्स स्क्वाश चैम्पियनशिप में दोहरे खिताब हासिल किये। एशियाई खेलों में टीम चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता अभय ने वेलावन सेंथिलकुमार के साथ मिलकर पुरुष युगल खिताब जीता। इसके बाद अभय ने अनुभवी जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिश्रित युगल फाइनल में फतह हासिल की। अभय और वेलावन की शीर्ष वरीय जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के ओंग साई हुंग और सियाफिक कमाल की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-4, 11-5 से शिकस्त दी। इसके बाद अभय और जोशना की तीसरी वरीय जोड़ी ने टोंग सेज विंग और टांग मिंग होंग की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को मिश्रित युगल फाइनल में 11-8, 10-11, 11-5 से हराया।

वेलावन ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''मैं अभय के लिए बहुत खुश हूं जिन्होंने इस हफ्ते इतना शानदार प्रदर्शन किया। हमें पूरा भरोसा था और हम बेहतर होते रहे। '' इस साल पद्म श्री पुरस्कार पाने वाली जोशना ने कहा, ''भारत के लिए फिर से खेलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं घुटने की सर्जरी के कारण पिछले पांच महीनों से खेल से दूर थी। युगल से वापसी करना अच्छा मौका था ताकि मैं पीएसए टूर पर वापसी कर सकूं।

उरूग्वे ने पेनल्टी शूट आउट में ब्राजील को 4-2 से हराया

लास वेगास (एजेंसी)। मैनुएल उगार्ते ने पांचवीं और अंतिम पेनल्टी किक पर गोल दागा जिससे उरूग्वे ने शनिवार को यहां ब्राजील को 4-2 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की। दोनों ही टीमें निर्धारित समय और फिर अतिरिक्त समय में भी गोल करने में नाकाम रहीं। इस मुकाबले में 41 फाउल हुए जो टूर्नामेंट के किसी मुकाबले में सर्वाधिक हैं। इस दौरान सिर्फ चार शॉट ही गोल की तरफ मारे गए। उरूग्वे के नाहितन नांदेज को रोड्रिगो के खिलाफ खतरनाक टैकल के लिए 74वें मिनट में लाल कार्ड दिखाकर बाहर किया गया लेकिन ब्राजील की टीम विरोधी टीम के 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने का फायदा नहीं उठा सकी। शूट आउट में गोलकीपर सर्जियो रोशेट ने एडेर मिलिताओ का शॉट रोका जबकि डगलस लुई की पेनल्टी किक गोल पोस्ट से टकराई जिससे उरूग्वे ने 3-1 की बढ़त दिलाई गोलकीपर एलिसन बेकर ने चौथे प्रयास में उरूग्वे के जोस मारिया गिमिनेज की पेनल्टी किक रोककर ब्राजील को मुकाबले में बनाए रखा लेकिन अगले प्रयास में उगार्ते ने गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। उरूग्वे की टीम बुधवार को सेमीफाइनल में कोलंबिया से भिड़ेगी जिसने पनामा को 5-0 से हराया। दूसरा सेमीफाइनल मंगलवार को गत चैंपियन अर्जेन्टीना और कनाडा के बीच खेला जाएगा।

125 करोड़ में से खिलाड़ियों में किस तरह बांटी जाएगी रकम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने 13 साल का लंबा इंतजार खत्म कर टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम किया था। इस दौरान बीसीसीआई की तरफ से टीम इंडिया को 125 करोड़ की प्राइज मनी का ऐलान किया गया। ये राशि सिर्फ खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ में ही नहीं बल्कि टीम सेलेक्टर्स को भी दी जाएगी। यहां जानें किसे कितनी रकम मिलेगी? टी20 वर्ल्ड कप के लिए 42 सदस्य दल गया था। बीसीसीआई ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी थी। टीम में शामिल सभी खिलाड़ियों को 5-5 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इस दौरान जिन खिलाड़ियों को खेलने का मौका नहीं मिला, उनमें संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल, यशस्वी जायसवाल को भी 5 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। टीम के साथ बतौर रिजर्व खिलाड़ी शुबमन गिल, रिंकू सिंह, आवेश खान और खलील अहमद को 1-1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

साथ ही कोचिंग स्टाफ में हेड कोच राहुल द्रविड़ को पांच करोड़ रुपये दिए जाएंगे। जबकि बैटिंग कोच विक्रम राठौड़, फील्डिंग कोच टी दिलीप और गेदंबाजी कोच पारस म्हांब्रे को 2.5-2.5 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। वहीं बैकरूम स्टाफ में मौजूद तीन फिजियोथेरेपिस्ट, तीन थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट, दो मसाज करने वाले और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंक कोच को 2-2 करोड़ रुपये मिलेंगे। सेलेक्शन कमिटि के सभी सदस्यों को 1-1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। वहीं लॉजिस्टिक मैनेजर और मीडिया ऑफिसर को भी इनाम मिलेगा। हालांकि, ये पहली बार है जब टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जीतने पर इनाम राशि दी गई हो।

इससे पहले 1983 में भारत ने जब वर्ल्ड कप जीता था तब उन्हें कोई इनामी राशि नहीं दी गई थी। बोर्ड के पास उतना पैसा नहीं था। इसके बाद बोर्ड के कहने पर गायिका लता मंगेशकर ने कॉन्सर्ट करके टीम के लिए पैसा जमा किया था। साल 2007 में जीतने वाली टीम को 12 करोड़ दिए गए थे। साल 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सभी खिलाड़ियों को 2-2 करोड़ दिए गए थे।

अभिषेक शर्मा ने शतक लगाने के बाद युवराज सिंह को किया वीडियो कॉल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरी टी20 मैच में शतक जमाया। आईपीएल में विस्फोटक पारी से चर्चा में आने वाले अभिषेक पहले टी20 मैच खाता भी नहीं खोल पाए। करियर के पहले शतक के बाद अभिषेक ने अपने मेंटॉर युवराज सिंह को कॉल किया। अपने चेले के शतक से युवराज सिंह को कॉल किया। अपने चेले के शतक से युवराज सिंह को बहुत खुशी महसूस हो रही थी। अभिषेक ने पहले अपने परिवार को वीडियो कॉल किया। उनका परिवार काफी खुश था और वह अभिषेक को बधाई दे रहे थे। इसके बाद उन्होंने युवराज सिंह को कॉल किया। युवराज ने कहा, आपको इस शतक की मुबारकबाद, मुझे आप पर बहुत गर्व है। आप इस शतक के हकदार थे। अभिषेक ने युवराज को धन्यवाद कहा। बता दें कि, अभिषेक शर्मा युवराज सिंह के शिष्य हैं। वह अंडर-19 के दिनों से शुभमन गिल के साथ युवराज सिंह की देखरेख में ट्रेन कर रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए जब अभिषेक बड़ी पारी खेलते थे तो युवराज सिंह ट्वीट करके उन्हें बधाई देते थे और साथ ही गलती पर डांटते भी थी। अभिषेक शर्मा ने इस वीडियो में भी बताया कि उनके लिए शुबमन गिल का बल्ला लकी है।

अभिषेक शर्मा का पहला शतक, भारत ने जिबाबे को हराकर श्रृंखला 1-1 से बराबर की

हरारे (एजेंसी)। भारतीय टीम ने युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा की 47 गेंद में 100 रन की शानदार शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे पर 100 रन की जीत से पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण पहले मैच में मिली 13 रन की हार से वापसी करते हुए भारत ने अभिषेक के आठ छक्के और सात चौके जड़ित शतक से रविवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए दो विकेट पर 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत का सर्वोच्च स्कोर है, इससे पहले सर्वोच्च स्कोर 186 रन का था। भारत ने फिर मुकेश कुमार (37 रन देकर तीन विकेट), आवेश खान (15 रन देकर तीन विकट) और रवि बिश्नोई (11 रन देकर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से जिम्बाब्वे को 18.4 ओवर में 134 रन पर समेट दिया। भारत ने इस तरह टी20 में जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे बड़े अंतर से जीत हासिल की।

जिम्बाब्वे के लिए सलामी बल्लेबाज वेस्ले माधेवेरे ने 43 रन, ल्यूक जोंगवे ने 33 रन और ब्रायन बेनेट ने 26 रन की पारी खेली। इनके अलावा जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कैंपबेल के बेटे जोनाथन कैंपबेल (10 रन)ही दोहरे अंक में पहुंचे। पिछले मैच में पदार्पण के दौरान चार गेंद में शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक ने सूझबूझ से खेलते हुए रूतुराज गायकवाड़ (47 गेंद में नाबाद 77 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी निभायी। इन दोनों के अलावा रिंकू सिंह ने 22 गेंद में पांच छक्के जड़ित नाबाद 48 रन की पारी खेली। गायकवाड़ और रिंकू ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 87 रन की भागीदारी निभायी। वेलिंगटन मास्काद्जा और ब्लेसिंग मुजारबानी को एक एक विकेट मिला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में छक्के जड़ने वाले सबसे शानदार खिलाड़ी अभिषेक को 27 रन पर जीवनदान मिला जब मास्काद्जा ने ल्यूक जोंगवे की गेंद पर उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद इस भारतीय बल्लेबाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अभिषेक ने अपने अंतरराष्ट्रीय रन का खाता ऑफ स्पिनर ब्रायन बेनेट की गेंद पर छक्का लगाकर खोला। उन्होंने डियोन मेयर्स की गेंद पर स्क्वायर के पीछे छक्का जड़कर अर्धशतक पूरा किया। मेयर्स के एक ओवर में बने 28 रन के बाद भारतीय पारी ने तूफानी रफ्तार पकड़ी। प्रतिद्वंद्वी कप्तान सिकंदर रजा की गेंद पर लगा अभिषेक का छक्का सबसे आकर्षक रहा। उन्होंने बायें हाथ के स्पिनर मास्काद्जा पर लगातार तीन छक्के जड़े और फिर अपना शतक पूरा करते ही उनकी गेंद पर आउट हो गये। डग आउट में लौटने पर उन्हें कप्तान और उनके मित्र शुभमन गिल ने बधाई दी। अभिषेक की पारी का सबसे अच्छी चीज 'गियर' बदलना रही। भारत ने पहले 10 ओवर में एक विकेट पर 74 रन बनाये। फिर अगले पांच ओवर में टीम ने युवराज सिंह के शिष्य की बदौलत 78 रन जोड़े। खराब क्षेत्ररक्षण का भी जिम्बाब्वे को नुकसान पहुंचा जिन्होंने गायकवाड़ का कैच भी छोड़ दिया था। इसके बाद गायकवाड़ और रिंकू ने 36 गेंद में 87 रन की भागीदारी निभायी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरूआत अच्छी नहीं रही जिसने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाये। मुकेश और आवेश ने जिम्बाब्वे के शीर्ष क्रम को आउट किया जिससे जिम्बाब्वे ने पावरप्ले में अपने चार विकेट गंवा दिये थे।

अविनाश साबले ने अपना राष्ट्रीय स्टीपलचेस रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अविनाश साबले ने रविवार को पेरिस में डायमंड लीग प्रतियोगिता में आठ मिनट 9.91 सेकेंड का समय निकालकर छठे स्थान पर रहकर 3000 मीटर स्टीपलचेस में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर दिखाया कि वह पेरिस ओलंपिक से पहले से पहली सही समय पर लय में आ रहे हैं। 29 वर्षीय साबले ने 8ः11.20 सेकेंड का अपना पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया जो उन्होंने 2022 में बनाया था। इस तरह उन्होंने डेढ़ सेकेंड से बेहतर समय निकाला। इथियोपिया के अब्राहम सिमे 8ः02.36 के समय से कीनिया के अमोस सेरेम ((8ः02.36) से 'फोटो फिनिश' में पहले स्थान रहे। कीनिया के अब्राहम किबिवोट 8ः06.70 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। साबले ने दो साल पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और वह इसे तोड़ने में सफल रहे। यह उनका 10वां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन रहा। वहीं पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में ओलंपिक दल के सदस्य किशोर जेना का संघर्ष जारी रहा और वह 78.10 मीटर के प्रयास से आठवें स्थान पर रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.54 मीटर है और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 80.84 मीटर है। पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले जेना का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर का थ्रो लगाया था।

बारिश ने फेरा भारत और दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों पर पानी, दूसरा टी20 बारिश के कारण रद्द

चेन्नई (एजेंसी)। भारत की तीन मैच की श्रृंखला में वापसी करने और दक्षिण अफ्रीका की अजेय बढ़त बनाने की उम्मीदों पर बारिश ने पानी फेर दिया जिसके कारण इन दोनों टीम के बीच दूसरा महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच रविवार को यहां रद्द करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने पहला मैच 12 रन से जीता था और इस तरह से वह तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। तीसरा और अंतिम मैच मंगलवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद तेजमिन ब्रिट्स के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से छह विकेट पर 177 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारतीय पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई जो थमी नहीं और अंपायरों ने आखिर में स्थानीय समयानुसार रात 10 बजकर पांच मिनट पर मैच रद्द करने की घोषणा की। इससे पहले ब्रिट्स ने शुरू में मिले जीवनदान का फायदा उठाकर 39 गेंद पर 52 रन बनाए जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल है।

उनके अलावा अन्नेका बोश ने 32 गेंद पर छह चौकों की मदद से 40 रन का योगदान दिया। भारत की तरफ से अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा (20 रन देकर दो

विकेट) और पूजा वस्त्राकर (37 रन देकर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रही। ऑफ स्पिनर सजीवन सजना ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका की जीत की नायिका रही ब्रिट्स को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला मैच खेल रही उमा छेत्री के हाथों स्टंप आउट करा दिया था लेकिन भारतीय विकेटकीपर ने गेंद को स्टंप के आगे से पकड़ा था जिससे यह नोबॉल हो गई और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज को जीवनदान मिल गया। ब्रिट्स ने इस ओवर में तीन चौके लगाए जबकि कप्तान लौरा वुलफार्ट (12 गेंद पर 22 रन) ने अरुंधति रेड्डी के अगले ओवर में लगातार तीन चौके जड़े। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 25 गेंद पर 43 रन की साझेदारी की। पूजा ने वुलफार्ट को आउट करके उनके आक्रामक तेवरों पर विराम लगाया। राधा यादव ने प्वाइंट पर उनका शानदार कैच लपका। दक्षिण अफ्रीका ने पावर प्ले के छह ओवर में एक विकेट पर 66 रन बनाए। भारतीय स्पिनरों इसके बाद लगाम कसी और दक्षिण अफ्रीका को अगले नौ ओवर में 55 रन ही बनाने दिए। दीप्ति ने मारिजान काप (20) को लंबी पारी नहीं खेलने दी। ब्रिट्स हालांकि इस बीच रन बटोरती रही। उन्होंने राधा यादव का स्वागत छक्के से किया और फिर 36 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके तुरंत बाद वह पवेलियन लौट गई। उमा ने दीप्ति की गेंद पर इस बार उन्हें स्टंप आउट करने में कोई गलती नहीं की। दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम दो ओवर में 31 रन बटोरे। उसकी तरफ से क्लोई ट्राइऑन (12), नडीन डि क्लर्क (14) और अनरी डर्कसन (नाबाद 12) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा रहे बुमराह ने कहा - पिछले कुछ दिनों से ऐसा लग रहा है जैसे सपनों में जी रहा हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप का चैंपियन बनने के बाद स्वदेश में मिले शानदार स्वागत के लिए आभार व्यक्त करने की कड़ी में गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों से सपनों में जी रहे हैं। इस 30 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में खेले गए टूर्नामेंट में 15 विकेट लिए। बुमराह ने टी20 विश्व कप में भारत की 17 साल बाद खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। बुमराह ने एक्स पर पोस्ट किया, ''मैं पिछले कुछ दिनों से बहुत आभारी हूं। मैं सपनों में जी रहा हूं और इसने मुझे खुशी और कृतज्ञता से भर दिया है।'' इस तेज गेंदबाज ने इसके साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया है जिसमें स्वदेश लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नाश्ते और मुंबई में लाखों प्रशंसकों के साथ विजय परेड के अंश शामिल हैं। 42 सेकंड की इस क्लिप में गुरुवार को परेड के बाद सम्मान समारोह के दौरान विराट कोहली के भाषण का ऑडियो भी शामिल है जिसमें वह बुमराह के योगदान की प्रशंसा कर रहे हैं। बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में हार्दिक

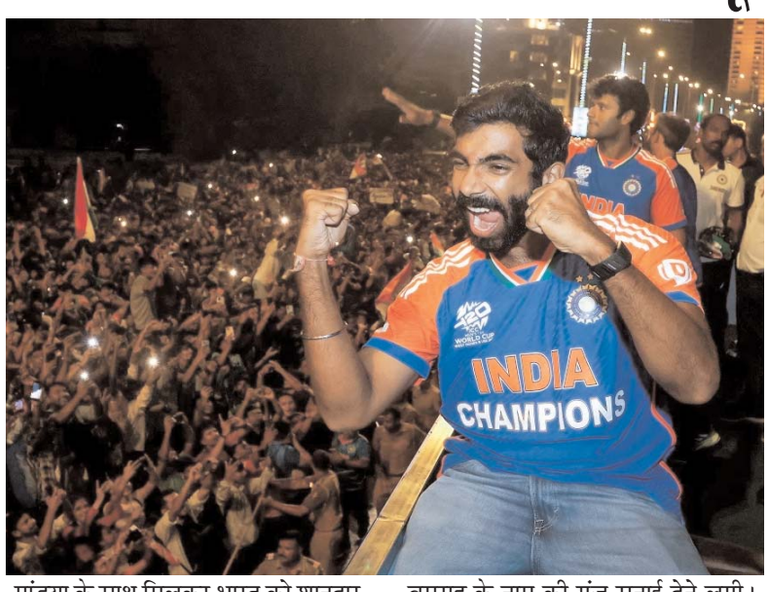

पांड्या के साथ मिलकर भारत को शानदार वापसी दिलाई थी। दक्षिण अफ्रीका को एक समय 30 गेंद पर 30 रन चाहिए थे लेकिन इन दोनों ने मिलकर उसकी बल्लेबाजी को थर्रा दिया और भारत सात रन से जीत दर्ज करने में सफल रहा। कोहली ने वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह के दौरान कहा था कि बुमराह जैसा खिलाड़ी कई पीढ़ियों में एक बार जन्म लेता है। इसके बाद स्टेडियम में बुमराह के नाम की गूंज सुनाई देने लगी। विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने कहा था,'' मैं चाहता हूं कि सभी उस खिलाड़ी की प्रशंसा करें जिसने हमेशा हमें बार-बार वापसी दिलाई है। यह अद्भुत प्रदर्शन था। उस जैसा गेंदबाज कई पीढ़ियों में एक बार जन्म लेता है। मुझे खुशी है कि वह हमारे लिए खेलता है।'' बुमराह का हाल में अहमदाबाद अपने घर पहुंचने

पिछले माह की 2219 सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का हुआ निराकरण, कलेक्टर ने कहा निराकरण की रफ्तार बनाये रखें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारियों ने सीएम हेल्पलाइन में इस हफ्ते अच्छा कार्य किया है। पिछले माह की 2219 शिकायतें कम हुई है जबकि चालू सप्ताह तक प्राप्त होने वाली कुल शिकायतों में भी 1386 शिकायत कम होना दर्ज की गई है। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा है कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण की रफ्तार बनाए रखें। सोमवार को समय सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा की। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एसडीएम एपी द्विवेदी, राहुल सिलाडिया, सुधीर बेक, नीरज खरे, आरएन खरे, जीतेन्द्र वर्मा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग की लंबित शिकायतें कम तो हुई है। लेकिन अभी भी कोई तहसील डी श्रेणी से बाहर नहीं आ पाई है। उन्होंने कहा कि पटवारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में पटवारी वार सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें निकालकर उन्हें टारगेट दें। एसडीएम पटवारियों की बैठक में निराकरण की समीक्षा भी करें। बिरसिंहपुर तहसील अभी भी निराकरण के मामले में सबसे पीछे है। कलेक्टर ने कहा कि सभी तहसीलों में 60 प्रतिशत निराकरण कर डी श्रेणी से बाहर निकले। अन्यथा की स्थिति में डी श्रेणी में रहने पर संबंधित तहसीलदार का एक सप्ताह का वेतन काट दिया जाएगा। चालू सप्ताह में जिले में कुल 15995 सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें लंबित है। जिनमें सर्वाधिक राजस्व 3101, ऊर्जा 1716, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी 1306, महिला बाल विकास 1290 शिकायतें लंबित हैं। कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी के समय बाह्य प्रकरण, स्वामित्व योजना, राजस्व अधिकारियों की बैठक के निर्देशों का पालन प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण, जल जीवन मिशन, खाद्यान्न वितरण की भी समीक्षा की। स्वामित्व योजना में अधीक्षक भू अभिलेख एमएल तिवारी ने बताया कि दर्ज प्रकरणों की संख्या 1001 और ड्रोन फ्लाई 859 हुए हैं। जिनमें 888 में मैप का भौतिक सत्यापन करा लिया गया है। अंतिम अधिकार अभिलेख प्रकाशन 135 हुए है जबकि वेब जीआईएस की संख्या 44 है। कलेक्टर ने कहा कि वेब जीआईएस के लिए पटवारी रिपोर्ट 10 दिवस के भीतर आ जानी चाहिए। इसके ऊपर रिपोर्ट आने पर पटवारी के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। खाद्यान्न वितरण में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक मात्र 13 प्रतिशत वितरण को कलेक्टर ने बहुत कम बताते हुए अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह की 7 तारीख को अन्न उत्सव के पश्चात कम से कम 25 प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद भी रामपुर बघेलान तहसील के राजस्व कार्यों में सुधार नहीं आने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी आरसीएमएस पोर्टल और सीएम हेल्पलाइन पर फोकस करें। राजस्व अधिकारियों की बैठक 19 जुलाई को पुनः नामांतरण, बटवारा और सीमांकन को लेकर होगी। कलेक्टर ने कोर्ट में लंबित प्रकरण और समय सीमा पत्रकों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण पत्रकों को टीएल मार्क किया जाता है और एक सप्ताह में निराकरण की कार्यवाही अपेक्षित होती है। समय पर कार्यवाही पूरी नहीं की जा सकती तो यथोचित कारण दर्शाते हुए उसे पोर्टल में दर्ज करायें।

गलत विद्युत देयकों के सुधार अथवा मीटर संबंधी आवेदन 10 जुलाई तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम सतना द्वारा जिले के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है कि ऐसे उपभोक्ता जिनके द्वारा वितरण केन्द्र स्तर पर गलत विद्युत देयकों के सुधार अथवा मीटर आदि से संबंधित शिकायतें की गई हो, और उनका निराकरण लम्बित होने पर ऐसे उपभोक्ता 10 जुलाई को दोपहर समय 12 बजे से सायं 4 बजे तक निर्धारित प्रपत्र में लंबित शिकायतों के निराकरण हेतु अध्यक्ष विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम सतना एवं कार्यपालन अभियंता (संचा/संधा) म0प्र0पू0क्षे0वि0वि0कं0लि0 प्रेमनगर सतना में अपना अभ्यावेदन 3 प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते है। आवेदनों की सुनवाई की जाकर प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

कलेक्टर मैहर ने पटेहरा तालाब प्रांगण में किया पौधरोपण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशव्यापी अभियान व मुख्यमंत्री मोहन यादव के आह्वान और मैहर कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड के निर्देशानुसार जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधरोपण किया जा रहा है। एक पेड़ मां के नाम में अभियान के अंतर्गत सोमवार को कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड ने पटेहरा तालाब प्रांगण में पौधारोपण किया। कलेक्टर श्रीमती बाटड ने स्थानीय लोगो से तालाब परिसर को स्वच्छ बनाए रखने एवं पौधारोपण और बीजारोपण कर देखभाल करने की अपील की। इस मौके पर एसडीएम विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, एई राहुल पटेल, आकाश अग्रवाल, पार्षद केशव कुशवाहा तथा नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं से रुबरु हुई राज्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा कुछ समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

15 से अधिक एनपीसीआई और ई-केवायसी लंबित होने पर पटवारियों को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे ने सोमवार को जिले के बाटम में रहे 10 पटवारियों और प्रत्येक तहसील के 5-5 बाटम में रहने वाले पटवारियों की बैठक लेकर राजस्व कार्यों की समीक्षा की। इस मौके पर एसडीएम एपी द्विवेदी, जीतेन्द्र वर्मा, सुधीर बेक, नीरज खरे, आरएन खरे, राहुल सिलाडिया, एसएलआर मुन्नालाल तिवारी भी उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे ने प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि में एनपीसीआई और के-वायसी पेंडिंग की अधिक संख्या वाले जिले के बाटम के 10 पटवारियों से वन-टू-वन जानकारी लेकर समीक्षा की। इनमें सर्वाधिक लंबित एनपीसीआई के प्रकरण पटवारी हल्का पिंडरा, खरवाही, नयागांव, कामता, अबेर, सेजवार, बिहरा, ऐरा, नयागांव, नरदहा के पाए गए। संबंधित पटवारियों को फौती प्रकरण छोड़कर शेष सभी प्रकरण 15 दिवस के भीतर निरंक करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार सर्वाधिक ई-केवायसी लंबित प्रकरण हल्का नयागांव, कामता, खरवाही, जैतवारा, सराय, कोटर, पिंडरा, बांधा, पाथर कछार, असरार में पाए गए। अपर कलेक्टर ने कहा कि 15 प्रकरण से अधिक लंबित वाले हल्के के पटवारियों को एसडीएम नोटिस जारी करें। राजस्व कार्यो में सुधार नहीं पाए जाने पर जिला स्तर से पटवारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। जिले के बाटम में रहे 10 पटवारियों की 19 जुलाई को पुनः बैठक लेकर प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यों

बेटियों के लिए कोचिंग हेतु पंजीयन की अंतिम दिन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत युवतियो/बालिकाओं के लिए पुलिस भर्ती एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग देने हेतु 30-40 युवतियों/बालिकाओं का नवीन बैच का संचालन किया जा रहा है। जिसमें 18 से 28 वर्ष, (आरक्षित वर्ग 18 से 33 वर्ष) तक की बालिकायें शामिल हो सकती है। प्रशिक्षण तीन माह दिया जायेगा। प्रशिक्षण हेतु इच्छुक युवतियों/बालिकायें 9 जुलाई तक जिला बाल संरक्षण ईकाई कन्या धवारी स्कूल के पास प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक पंजीयन करा सकती हैं। इस संबंध की विस्तृत जानकारी मोबाइल नम्बर 9589527166 से प्राप्त की जा सकती है।

श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन कलश यात्रा के साथ 15 से

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सांई मंदिर परिसर धवारी में आगामी 15 जुलाई से 22 जुलाई 2024 तक श्रीमद् भागवत कथा का विशाल आयोजन किया गया है इस संबंध में बताया गया है की भागवत यात्रा परिवार द्वारा वृंदावन से सुप्रसिद्ध भागवताचार्य श्री आशीषाचार्य जी महाराज वृदांवनोपासक के मुखारविंद से धारा प्रवाहित श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन का आनंद लीजिए एवं विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी एवं श्रीमद् भागवत कथा का आप सभी भक्त वृन्द विध्यं की पावन धरा से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का सीधा प्रसारण महाराज श्री के यूट्यूब चैनल आशीषाचार्य जी महाराज को सब्सक्राइब करके देख सकते हैं एवं कार्यक्रम के संबंध में बताया गया है कि पंडाल वाटरप्रूफ है भरपूर श्रोता बैठ सकते हैं एवं 22 जुलाई को कथा का समापन एवं लघु महायज्ञ पूर्णाहोती हवन यज्ञ एवं चढोत्री एवं कथा स्थल में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है ।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सोमवार को मैहर कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड ने मैहर जिले के ग्राम पंचायत पहाड़ी में टमस नदी के किनारे पौधा एवं बीज रोपण किया गया। कलेक्टर श्रीमती बाटड ने नागरिको से अपील करते हुए कहा कि पेड-पौधे एवं पर्यावरण के बिना मानव जीवन असंभव है। हमें अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने चाहिए एवं पौधों की रक्षा भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें हर एक घर, हर एक खेत में पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव समाज को वन अर्थात् पेड-पौधे पूरा जीवन देते हैं, मानव के साथ सम्पूर्ण जन्तु प्राणी का जीवन वन, जल और हवा पर निर्भर है, जिसे बनाये रखने के लिये पेड़-पौधे ही माध्यम हैं, पेड़ हमें जड़ी-बूटी, इलाज, भोजन, फल, छाया, अच्छा पर्यावरण, आक्सीजन, वर्षा जैसे जीवन के सभी साधन देते हैं। मानव समाज यदि अपना भविष्य चाहता है तो ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाये। कलेक्टर श्रीमती बाटड द्वारा नीम, करंज, महुआ, बहेरा आदि के बीज रोपित किये गये। इस मौके पर एसडीएम विकास सिंह, सीईओ प्रतिपाल बागरी, तहसीलदार जीतेन्द्र पटेल तथा महिला बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्राम पंचायत के सरंपच तथा ग्राम वासी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री पौधरोपण कार्यक्रम में हुईं शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी सोमवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत वन परिक्षेत्र सिंहपुर में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने विधि विधान से पूजन-अर्चना कर आम का पौधा रोपित किया। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने सभी से एक पेड़ अपनी मां के नाम रोपित करने का आह्वान किया। अभियान के तहत वन परिक्षेत्र में आम, जामुन, सीताफल, मुनगा तथा आंवला के 50 पौधे रोपित किये गये। इस मौके पर वन परिक्षेत्राधिकारी नितेश कुमार गंगेले, जनपद सदस्य राजमणि कुशवाहा, सरपंच रामशिरोमणि बुनकर, अमर सिंह बघेल, रामप्रसाद पाण्डेय, धर्मेन्द्र शुक्ला तथा वीरेन्द्र द्विवेदी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वन मण्डल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके पूर्व राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने खैरूआ सरकार पहुंचकर भगवान के दर्शन किये और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

मैहर में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम की द्वितीय प्रस्तुति 1 अगस्त को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर मां शारदा की पावन नगरी एवं संगीत संम्राट पद्म विभूषण बाबा अलाउद्दीन खाँ साहब की साधना स्थली मैहर में शास्त्रीय संगीत के उभरते हुये नवोदित कलाकारों कों मंच देने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से मैहर म्यूजिक अटाला आर्ट सिटी के तत्वाधान में 1 जुलाई 2024 से प्रारंभ किया गया है। जिसकी द्वितीय प्रस्तुति 1 अगस्त को शास्त्रीय संगीत महाविद्यालय, मैहर के सभागार में सायं 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित की गई है। शास्त्रीय संगीत के कार्यक्र म में शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य के कलाकार अपनी प्रस्तुती दे सकेंगे। इस हेतु कलाकार अपने आवेदन बायोडाटा के साथ 20 जुलाई तक संगीत महाविद्यालय मैहर में प्रभारी अनिल कुमार जायसवाल, सहायक व्याख्याता (मोबा. 7987274350) के पास जमा कर सकते हैं। पूर्व में जिन नवोदित कलाकारों के द्वारा आवेदन किया था, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। उनके आवेदन इस माह भी सम्मिलित किए जाएंगे। जिन कलाकारों की प्रस्तुतियां हो चुकी हैं वह 1 वर्ष के पश्चात ही आवेदन करने के पात्र होंगे। मैहर घराने को जीवंत बनाने एवं विद्या की देवी माँ शारदा की नगरी को संगीत मय बनाने के लिए शास्त्रीय संगीत कार्यक्र म का आयोजन प्रत्येक माह की 1 तारीख को किया जा रहा है।

जिले में अब तक 144.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में इस वर्ष 1 जून से 8 जुलाई 2024 तक 144.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 309.8 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 105.8 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 112.3 मि.मी, बिरसिंहपुर में 133 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 71 मि.मी., नागौद में 161.8 मि.मी., जसो (नागौद) में 45.3 मि.मी. एवं उचेहरा में 220 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 143.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

मध्यप्रदेश भूमि स्वामी बटाईदारों के हित संरक्षण अधिनियम 2016 के नियम लागू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कृषकों और भू-स्वामियों द्वारा अपनी भूमि अन्य व्यक्तियों को धन या फसल का अंश भूमि स्वामी को देकर खेती के लिए भूमि दे दी जाती है जिसे सामान्य तौर पर बटाई, सिकमी, अन्य स्थानीय नामों से जाना जाता है। इस संबंध में मध्यप्रदेश भूमि स्वामी एवं बटाईदारो के हित संरक्षण अधिनियम 2016 के अनुरूप भूमि बटाई पर दिए जाने की मान्यता प्रदान की गई है। अधिनियम भूमि स्वामी बटाईदार दोनों के हितों का संरक्षण करता है। अब कोई भी भूमि स्वामी अपनी भूमि बटाई पर देने या किसी व्यक्ति द्वारा बटाई पर लेने की वैधानिकता तभी मानी जाएगी जब दोनों पक्षों के द्वारा मध्यप्रदेश भूमि स्वामी बटाईदारों के हित संरक्षण अधिनियम 2016 के नियम चार के तहत अनुबंध निष्पादित किया हो और एक प्रति संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को उपलब्ध कराई हो। कोई भी बटाईदार, भूमि बटाई पर लेकर यदि वह फसल क्षति की देय राहत राशि, बीमा राशि और कृषि उपज का उपार्जन के लिए शासन द्वारा तभी स्वीकार माना जाएगा जब भूमि स्वामी और बटाईदार के मध्य उपरोक्त अधिनियम के अंतर्गत अनुबंध निष्पादित हुआ हो। विधिवत अनुबंध के अभाव में उपरोक्त हित लाभ दिया जाना संभव नही होगा।

प्लेसमेंट कैम्पस ड्राइव आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्राचार्य शासकीय आईटीआई सतना द्वारा बताया गया कि पीथमपुर द्वारा अप्रेन्टिस शिप हेतु 10वीं एवं इंजीनियरिंग ट्रेड में शासकीय आईटीआई से एनसीवीटी/एससीवीटी में वर्ष 2022, 2023, 2024 में 60 प्रतिशत प्राप्त करने वाले पात्र उम्मीदवारों के लिए 9 जुलाई 2024 को प्रातः 10 बजे से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सतना में एक दिवसीय प्लेसमेन्ट/कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। कैम्पस ड्राइव में 18 से 25 वर्ष आयु तक के पुरूष बेरोजगार आवेदक जो निर्धारित योग्यता पूरी करते हैं। वे अपने साथ 3 प्रति में बायोडाटा, आधारकार्ड, बैंक खाता विवरण, पासपोर्ट फोटो एवं शैक्षणिक योग्यता संबंधित दस्तावेजों के साथ उपस्थित हो सकते है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।